संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-21 अंक- 185
पृष्ठ 8
बुधवार
26 मार्च 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

# शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- स्किन को बेदाग निखार देने के लिए...

विचार- रिया से माफी मांगें मीडिया ट्रायल वाले

खेल- नए कप्तान के साथ विजयी शुरुआत...

सीएम योगी ने गोरखपुर में गिनाई उपलब्धियां, बोले-

## 70 साल पर आठ साल भारी

- पिछली सरकार की एक जिला एक माफिया नीति को एक जिला एक मेडिकल कॉलेज से बदला : सीएम योगी

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उनकी सरकार ने पिछली सरकारों की ''एक जिला एक माफिया की नीति को ''एक जिला एक मेडिकल कॉलेज से बदल दिया है और इससे पूरे राज्य में लोगों के जीवन में महत्वपूर्ण बदलाव आया है। आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार के 'सेवा, सुरक्षा और सुशासन के आठ साल पूरे होने पर गोरखपुर में आयोजित एक कार्यक्रम में साल 2017 से अब तक की अपनी सरकार की उपलब्धियां गिनाईं। उन्होंने कहा कि पिछले आठ वर्षों में किए गए विकास पहलों और नीति सुधारों को प्रदर्शित करने के लिए पूरे उत्तर प्रदेश में इसी तरह के कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। सीएम योगी ने कहा, ''पिछली सरकारों ने वन डिस्ट्रिक्ट, वन माफिया पैदा किया। आज सरकार ने वन डिस्ट्रिक्ट, वन मेडिकल कॉलेज दिया है, वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट दिया है। नए रोजगार का सृजन किया है। कुटीर, लघु एवं मध्यम उद्योगों (एमएसएमई) को पुनर्जीवित किया है। उन्होंने दावा करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश में निवेश का एक नया युग आया है और उत्तर प्रदेश अपने नए मूलभूत ढांचे के साथ, सर्वाधिक एक्सप्रेसवे के साथ, सर्वाधिक मेट्रो रेल के साथ, सर्वाधिक रेलवे नेटवर्क के साथ देश में आज अग्रणी राज्य बनकर उभरा है। आदित्यनाथ ने इस बात पर जोर दिया कि राज्य का प्रशासनिक ढांचा वही रहा है लेकिन 2017 में सरकार में बदलाव ने उत्तर प्रदेश को पूरी तरह से बदल दिया है। सीएम ने दावा करते हुए कहा कि पहले राज्य विकास में पिछड़ा हुआ था, युवा पहचान के संकट से जूझ रहे थे और बेरोजगारी और भूख ने लोगों को निराशा में डाल दिया था। उन्होंने कहा कि पहले महिलाएं और व्यापारी असुरक्षित महसूस करते थे, आज उत्तर प्रदेश आत्मनिर्भर है, वह महिलाओं को सशक्त बना रहा है, युवाओं के लिए रोजगार पैदा कर रहा है और प्रमुख विकास परियोजनाओं को क्रियान्वित कर रहा है, जिससे यह देश के अग्रणी राज्यों में से एक बन गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि साल 2017 से पहले राज्य में दंगे अक्सर होते थे और उस समय राजनीतिक आंदोलनों में शामिल लोग जानते थे कि स्थिति कितनी कठिन थी। उन्होंने कहा, हम लोगों ने वर्ष 2017 में जनता जनार्दन के सामने जो वादा किया था कि हम सबको सुरक्षा देंगे, सबका सम्मान करेंगे, योजनाओं का लाभ बिना किसी भेदभाव के हर गांव, हर गरीब, हर किसान, हर नौजवान और हर जरूरतमंद को उपलब्ध कराएंगे। आपने देखा होगा सड़कों का जाल पूरे प्रदेश में बढ़ा है। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि 2017 के पहले गोरखपुर के शहर देश के सबसे गंदे अव्यवस्थित शहर माने जाते थे, लेकिन आज 17 शहर स्मार्ट सिटी बने हैं और जन सुविधाओं को बेहतरीन करने की और अग्रसर हुए हैं। उन्होंने कहा कि सुरक्षा का बेहतर माहौल देने के लिए पुलिस में सुधार किए गए साथ नए पुलिस कमिश्नरेट बनाए गए। उन्होंने कहा कि जिला स्तर पर पुलिसिंग का बेहतर ढांचा खड़ा किया गया है और सरकार ने अब तक लोग दो लाख 12 हजार से अधिक पुलिस कर्मियों की भर्ती किया है। आदित्यनाथ ने कहा, पीएसी कंपनियां जो दंगाइयों के लिए काल होती थीं, पिछली सरकारों ने शरारतन उन्हें बंद किया। आज हम लोगों ने सभी कंपनियों को बहाल करने का काम किया है और इसके साथ ही उनमें सुधार किए गए हैं।

## आपने खुद के लिए शीश महल बनाया, हम गरीबों के लिए घर बनाएंगे

विधानसभा में केजरीवाल पर सीएम रेखा गुप्ता का तंज

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मंगलवार को आम आदमी पार्टी (आप) और इसके संयोजक अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि आप अन्य राज्यों की सरकारों का दुरुपयोग कर रही है। आप पर निशाना साधते हुए गुप्ता ने यह भी कहा कि पार्टी ने 'शीश महल' बनवाया है और दावा किया कि दिल्ली में उनकी सरकार गरीबों के लिए घर बनाएगी। मुख्यमंत्री की यह टिप्पणी वित्तीय वर्ष 2025–26 के लिए एक लाख करोड़ रुपये के परिव्यय वाला बजट पेश करते समय आई, जो पिछले वर्ष की तुलना में 31.5 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है। रेखा गुप्ता ने कहा कि हममें और उनमें (आप) बहुत फर्क है। आपने (आप) वादे किए, हम उन्हें पूरा करेंगे। आपने दूसरे राज्यों की सरकारों को गाली दी, हम सद्भाव स्थापित करेंगे और साथ मिलकर काम करेंगे। आपने शीश महल बनाए, हम गरीबों के लिए घर बनाएंगे। आपने लाखों के पॉट टॉयलेट बनवाए, हम झुग्गी–झोपड़ियों में लोगों के लिए टॉयलेट बनवाएंगे। दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता ने कहा कि शिक्षा क्षेत्र में 2024–2025 में 16,396 करोड़ रुपये खर्च किए जाने थे, जिसे हमने अपने बजट में बढ़ाकर 19,291 करोड़ रुपये कर दिया है और इसमें 17प्रतिशत की वृद्धि की है। हमने परिवहन क्षेत्र के बजट में 73प्रतिशत की वृद्धि की है। आवास और शहरी विकास के बजट में 9: की वृद्धि की है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली की मुख्यमंत्री एवं वित्त मंत्री रेखा गुप्ता ने विधानसभा में वित्त वर्ष 2025–26 के लिए पेश बजट में शिक्षा और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए कई पहलों की घोषणा की, जिनमें सीएम श्री स्कूल , प्रयोगशालाएं, आधुनिक कंप्यूटर लैब और स्टार्टअप सहायता केंद्र आदि शामिल हैं। दिल्ली सरकार ने राष्ट्रीय राजधानी में शिक्षा के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के उद्देश्य से नये सीएम श्री स्कूलों की स्थापना के लिए 100 करोड़ रुपये और नरेला में एक शिक्षा केंद्र के लिए 500 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं।

## नवरात्रि के दौरान बंद रहनी चाहिए मीट की दुकानें', क्मसीप में भजपा विधायक की मांग, सांसद का भी मिला साथ

नई दिल्ली, एजेंसी। पटपड़गंज से भाजपा विधायक रविंदर सिंह नेगी ने आगामी नवरात्रि के दौरान मीट की दुकानें बंद रखने की मांग की है। उन्होंने कहा कि भले ही यह निर्देश पूरी दिल्ली में लागू न हो, लेकिन वह अपने निर्वाचन क्षेत्र में दुकानें बंद रखने का प्रयास करेंगे। नेगी ने कहा कि मैंने अपने क्षेत्र

में मंदिरों के सामने मंगलवार को खुलने वाली मीट की दुकानों के लिए अभियान चलाया था, और अब दुकानें मंगलवार को बंद रहती हैं। नवरात्रि साल में दो बार आती है, मैं सभी व्यापारियों से अनुरोध करता हूं कि वे मंगलवार को मीट की दुकानें बंद रखें। नेगी ने आगे कहा कि यह अनुरोध है कि नवरात्रि पर कोई भी मांस की दुकान नहीं खोली जानी चाहिए, खासकर मंदिरों के सामने वाली दुकानें। उन्होंने कहा कि मैं इस बारे में डीएम को भी पत्र लिखूंगा। मैं अपने विधानसभा क्षेत्र में मंगलवार को मीट की दुकानें बंद रखने की पूरी कोशिश करूंगा। भाजपा सांसद योगेंद्र चंदोलिया ने कहा कि देश के करोड़ों लोग नवरात्रि में पूजा करते हैं, 9 दिनों तक वे अन्न ग्रहण नहीं करते और फलाहार पर जीवित रहते हैं। इस दौरान अगर आस–पास मीट की दुकानें हैं तो इससे पवित्रता भंग होगी। भाजपा सांसद ने कहा कि 9 दिनों की बात है, मीट की दुकानें और शराब की दुकानें बंद होनी चाहिए। जब घ्घ्साल में दो बार ईद आती है तो दोनों ईद अलग–अलग तरीके से मनाई जाती हैं, इसलिए नवरात्रि के दौरान दिल्ली में मीट पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा देना चाहिए। अन्य राज्यों में भी नेताओं ने मंदिरों और धार्मिक स्थलों के पास स्थित मांस और शराब की दुकानों को बंद कराने की पहल की। पिछले वर्ष मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा था कि नर्मदा नदी की पवित्रता और आशीर्वाद को बनाए रखने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं।

## मनरेगा पर राहुल–प्रियंका का संसद भवन में प्रदर्शन

नई दिल्ली, एजेंसी। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी और केरल के कई सांसदों ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के तहत बकाया राशि जारी करने की मांग करते हुए मंगलवार को संसद भवन परिसर में प्रदर्शन किया. संसद भवन के मकर द्वार के निकट कांग्रेस सांसदों ने अपनी मांग को लेकर नारे भी लगाए. लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी और केरल के कई सांसदों ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के तहत बकाया राशि जारी करने की मांग करते हुए मंगलवार को संसद भवन परिसर में प्रदर्शन किया. संसद भवन के मकर द्वार के निकट कांग्रेस सांसदों ने अपनी मांग को लेकर नारे भी लगाए। राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के अलावा कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर और कुछ अन्य सांसद इस विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए. केरल के वायनाड से लोकसभा सदस्य प्रियंका गांधी ने एक्स पर पोस्ट किया, केरल के विपक्षी दलों के सांसदों ने आज मनरेगा श्रमिकों की भयावह उपेक्षा के खिलाफ संसद में प्रदर्शन किया. सरकार की निष्क्रियता ने लाखों परिवारों को आजीविका के बिना छोड़ दिया है, जिससे गरीबी और पीड़ा बढ़ गई है।

## कॉमेडी के नाम पर एकनाथ शिंदे का अपमान नहीं किया जा सकता

कुणाल कामरा विवाद पर बोलीं कंगना रनौत

नई दिल्ली, एजेंसी। अभिनेत्री कंगना रनौत ने मंगलवार को कॉमेडियन कुणाल कामरा द्वारा महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर मजाक करने के बाद उठे विवाद पर टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि हमें सोचना चाहिए कि समाज किस दिशा में जा रहा है जब कोई व्यक्ति सिर्फ़ 2 मिनट की प्रसिद्धि के लिए ऐसा करता है। उन्होंने साफ तौर पर कहा आप कोई भी हो, किसी का अपमान करना... एक इंसान के लिए उसकी इज्जत ही सब कुछ है चाहे आप सरकार देखिए या सत्ता देखिए। आप कॉमेडी के नाम पर उनकी इज्जत उछाल रहे हैं। उनकी उन्नति कर रहे हैं। उनके काम की अवहेलना कर रहे हैं। रनौत ने पूछा कि ये लोग कौन हैं, और उनकी साख क्या है? उन्होंने कहा कि शिंदे जी कभी किसी जमाने में रिक्शा चलाते थे। आज वो अपने दम पर इतना आगे आये हैं। ये कौन है? इनके खुद के क्या क्रेडेंशियल हैं? कौन है ये लोग जो खुद जिंदगी में कर नहीं पाए। मैं कहती हूं कि अगर वो कुछ लिख सकें तो साहित्य में लिखें। क्या ये साहित्य में कुछ लिखते हैं? कॉमेडी के नाम पर गाली गलोच करना। यह कानूनी तौर पर किया गया है, लेकिन मेरे साथ जो किया गया (उसका बंगला गिराना) वह अवैध रूप से किया गया। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने हास्य कलाकार कुणाल कामरा द्वारा उनके बारे में की गई टिप्पणी की तुलना ''सुपारी लेकर किसी के खिलाफ बोलने'' से करते हुए कहा कि कटाक्ष करते समय मर्यादा बनाए रखनी चाहिए, अन्यथा क्रिया की प्रतिक्रिया होती है। शिंदे ने सोमवार को कामरा की टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता है, लेकिन इसकी एक सीमा होनी चाहिए। 'स्टैंड–अप कॉमेडियन' कामरा (36) ने अपने 'शो' में शिंदे के राजनीतिक करियर पर कटाक्ष करके महाराष्ट्र में बड़ा राजनीतिक तूफान खड़ा कर दिया है।

## मुंबई पुलिस ने कुणाल कामरा को जारी किया नोटिस, कॉमेडियन ने पेश होने के लिए एक हफ्ते का समय मांगा

मुंबई, एजेंसी। मुंबई पुलिस ने महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के खिलाफ कथित अपमानजनक टिप्पणी से संबंधित एक मामले में स्टैंड–अप कॉमेडियन कुणाल कामरा को नोटिस जारी किया है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

हालांकि, कामरा ने पुलिस को एक पत्र सौंपकर पूछताछ के लिए पेश होने से पहले एक सप्ताह का समय मांगा है। एक अधिकारी ने बताया कि कामरा को उनके खिलाफ दर्ज मामले के संबंध में पूछताछ के लिए खार पुलिस के समक्ष पेश होने के लिए कहा गया है।

अधिकारी ने आगे कोई विवरण दिए बिना कहा कि हमने जांच के हिस्से के रूप में कामरा को एक प्रारंभिक नोटिस जारी किया है। 36 वर्षीय कॉमेडियन ने हाल ही में एक शो के दौरान शिंदे की राजनीतिक यात्रा पर व्यंग्यात्मक टिप्पणी करके महाराष्ट्र में राजनीतिक विवाद खड़ा कर दिया है।

## मोदी सरकार की नीतियों से जम्मू कश्मीर में अलगाववाद इतिहास बन गया : शाह

नई दिल्ली, एजेंसी।केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने ट्वीट कर कहा कि कश्मीर में अलगाववाद अब इतिहास बन चुका है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार की एकीकरण नीतियों ने अलगाववाद को जम्मू–कश्मीर से बाहर निकाल दिया है। हुर्रियत के दो संगठनों, जेएंडके पीपुल्स मूवमेंट और डेमोक्रेटिक पॉलिटिकल मूवमेंट ने अलगाववाद से सभी संबंध तोड़ने की घोषणा की है। मैं भारत की एकता को मजबूत करने की दिशा में इस कदम का

स्वागत करता हूं और ऐसे सभी समूहों से आग्रह करता हूं कि वे आगे आएं और अलगाववाद को हमेशा के लिए खत्म करें। इससे पहले संसद में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दोहराया कि कश्मीर में अलगाववादियों द्वारा पथराव और बंद का आह्वान अब अतीत की बात हो गई है। उन्होंने कहा कि अनुच्छेद 370 के अधिकतर प्रावधानों को हटाए जाने के बाद से क्षेत्र में महत्वपूर्ण परिवर्तन आया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जम्मू–कश्मीर में आतंकवाद से जुड़ी घटनाओं में 70: की कमी आई है। गृह मंत्रालय (एमएचए) के कामकाज पर चर्चा के दौरान, शाह ने इस बात पर जोर दिया कि 2019 में अनुच्छेद 370 को हटाने से जम्मू–कश्मीर और लद्दाख में स्थिरता, आर्थिक प्रगति और सुरक्षा आई है। उन्होंने कहा कि अनुच्छेद 370 को खत्म करके, मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने संविधान निर्माताओं के सपने को पूरा किया, जिसे उन्होंने ष्अस्थायी प्रावधानष कहा था। राज्यसभा में बोलते हुए शाह ने जम्मू–कश्मीर में हुए प्रमुख बदलावों पर प्रकाश डाला और कहा, '34 साल तक सिनेमा हॉल बंद रहे और मुहर्रम के जुलूसों की अनुमति नहीं थी। आज सिनेमा हॉल चालू हैं, मुहर्रम के जुलूस निकलते हैं और लोग शांति से रहते हैं।' उन्होंने कश्मीर में आयोजित सफल जी–20 शिखर सम्मेलन का भी हवाला देते हुए कहा कि इसने इस क्षेत्र को वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर ला खड़ा किया।

## शहर समता विचार के तत्वावधान में डा. पूर्णिमा पर केंद्रित विशेषांक का हुआ लोकार्पण, बही सरस काव्यधारा की बयार

प्रयागराज। शहर समता विचार एवं प्रयागराज की ओर से आज 25 मार्च 2025 को वरिष्ठ कवयित्री डॉक्टर पूर्णिमा पांडे पर आधारित एक कवि और कविता विशेषांक का लोकार्पण एवं काव्य गोष्ठी का आयोजन हुआ। इसके पूर्व मचंस्थ कवि विद्वानों ने माँ सरस्वती को माल्यार्पण और दीप प्रज्वलित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता उमेश श्रीवास्तव और मुख्य अतिथि डॉक्टर प्रदीप चित्रांशी, विशिष्ट अतिथि इंदु मिश्रा जमदग्नि ने किया। इस सत्र का संचालन लोकरंजन प्रकाशन के प्रकाशक रंजन पांडेय जी ने किया। दूसरे सत्र में एक काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। इसमें शम्भूनाथ श्रीवास्तव शम्भु, रंजन पांडेय, डाक्टर प्रदीप चित्रांशी, कल्पना वर्मा, जयामोहन श्रीवास्तव, पंडित राकेश मालवीय मुस्कान, डाक्टर पूर्णिमा पांडे, योगेंद्र कुमार मिश्रा विश्वबंधु, रचना सक्सेना, श्रीराम तिवारी सहज, मुक्तक सम्राट रामकैलाश पाल प्रयागी, आशा मिश्रा, सुष्मिता सिंह, क्षमा द्विवेदी, गीता सिंह, सिम्पल काव्यधारा, निखिलेश मालवीय, सुष्मिता सिंह, प्रेमा राय, अनिता सिंह, सिंपल काव्य धारा, उपेंद्र पांडेय मनमौजी, डाक्टर ऊषा सिंह, उपेन्द्र पांडेय मनमौजी,

आरवी सिंह पथिक, राजश्री शुक्ला, तारकेश्वर तिवारी, कविता उपाध्याय, मंजूलता नागेश, प्रियंवदा शुक्ला, अश्विन पांडेय, राकेश पांडेय आदि उपस्थित रहे।

## जुलूस मार्गों का निरीक्षण करें, अवैध लाउडस्पीकरों को हटाएं

प्रयागराज। अलविदा नमाज, ईद, चौत्र नवरात्र व रामनवमी के दृष्टिगत शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस ने तैयारी शुरू कर दी है। शासन के निर्देश पर सभी सहायक पुलिस आयुक्त, थाना प्रभारियों व चौकी प्रभारियों को दिशा–निर्देश दिया। धर्मगुरुओं और संभ्रांतजनों के साथ थानावार शांति समिति की बैठक कर शांति व्यवस्था कायम रखने की अपील करने का निर्देश दिया। जिन मार्गों से जुलूस प्रस्तावित हैं, वहां रूट व्यवस्था का स्थलीय निरीक्षण कर ड्यूटी प्वाइंट्स निर्धारित करें। सभी धार्मिक स्थलों पर लगे अवैध लाउडस्पीकरों को हटवाया जाए। किसी भी दशा में गैर परंपरागत कार्यक्रम का आयोजन नहीं होगा। होटल संचालकों के साथ बैठक कर कोई भी व्यक्ति को बिना वैध दस्तावेजों के नहीं ठहरने का निर्देश दिया जाए। किरायेदारों व सवारी वाहन चालकों का सत्यापन किया जाए। सभी थाना प्रभारी व चौकी प्रभारी रात्रि गश्त बढ़ाएं। तेज रफ्तार वाहनों, स्टंटबाजों व तेज ध्वनि वाले साइलेंसर का प्रयोग करने वालों के विरुद्ध कार्रवाई की जाए।

## पथरचट्टी कमेटी के परिसर में होली समारोह की धूम

प्रयागराज। क्षत्रिय सिसोदिया समाज और श्री पथरचट्टी रामलीला कमेटी की ओर से कमेटी के रामबाग स्थित परिसर में भव्यता के साथ होली मिलन समारोह मनाया गया। मुख्य

अतिथि विजय कुमार राजपुरा ने दीप प्रज्वलित कर समारोह का शुभारंभ किया। अध्यक्ष राजू सिंह, महामंत्री दिनेश सिंह व कोषाध्यक्ष राजेंद्र सिंह ने सिसोदिया समाज के बुद्धजीवियों का स्वागत अंगवस्त्रम भेंटकर सम्मानित किया। साथ ही एक–दूसरे को अबीर–गुलाल लगाकर होली की बधाई व शुभकामनाएं दी। प्रकाश ने धन्यवाद ज्ञापित किया। समारोह में महेश जड़िया, ध्रुव सिंह, उमेश, पवन सिंह, राजेश, नरेंद्र सिंह, सोनू सिंह, राहुल, रंजीत आदि मौजूद रहे।

## दो पुरस्कारों के लिए चयन समिति गठित

प्रयागराज। ठिठोली महोत्सव आयोजन समिति ने एक बैठक करके इस बार महोत्सव के दौरान दिए जाने वाले दो पुरस्कारों को लेकर चयन समिति का गठन किया गया है। 51 हजार रुपये की धनराशि वाले आसरा कैलाश गौतम सम्मान और 21 हजार रुपये के रवींद्रनाथ तिवारी गीत ऋषि सम्मान किस साहित्यकार को दिया जाएगा, इसका निर्णय लेने के लिए समिति के अध्यक्ष प्रदीप तिवारी आसरा, डॉ. श्लेष गौतम, डॉ. पीयूष दीक्षित, मनीष घोष व शिव शंकर सिंह को कमेटी में शामिल किया गया है। दोनों साहित्यकारों को 26 अप्रैल को प्रीतम नगर दुर्गा पूजा पार्क में होने वाले महोत्सव में सम्मानित किया जाएगा।

## इलाहाबाद विश्वविद्यालय में 50 बेड के अस्पताल के लिए मंत्री से मिलेंगे

प्रयागराज। ऑटा के नई कार्यकारणी के पदाधिकारियों ने इविवि के अध्यापकों एवं कर्मचारियों की स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए 50 बेड के अस्पताल और इविवि को सीजीएचएस में शामिल करने के लिए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री से मिलने का समय मांगा है। कार्यकारिणी के पदाधिकारियों व सदस्यों ने भारत सरकार की 19 मार्च 2025 को राजपत्र में अधिसूचित एकीकृत पेंशन योजना (विनिमय 2025) का स्वागत किया और इसे नई पेंशन योजना की तुलना में अधिक लाभकारी बताया। शिक्षकों ने इस योजना के विभिन्न प्रावधानों की समीक्षा की और पुरानी पेंशन योजना की बहाली की मांग को पुनः उठाया।

## पदोन्नत राजकीय शिक्षकों की तैनाती को आवेदन शुरू

प्रयागराज। राजकीय हाईस्कूल और उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में प्रधानाध्यापक या प्रधानाध्यापिका और राजकीय इंटर कॉलेजों में उप प्रधानाचार्य के पद पर पदोन्नत राजकीय माध्यमिक विद्यालयों के प्रवक्ता एवं सहायक अध्यापक (पुरूषध महिला) की ऑनलाइन तैनाती के लिए आवेदन मंगलवार से शुरू हो गए। माध्यमिक शिक्षा निदेशक डॉ. महेन्द्र देव की ओर से जारी आदेश के अनुसार आवेदन बुधवार तक लिए जाएंगे। अध्यापकों की सुविधा के लिए ई–मेल– onlineteachertransfer2024@gmail-com तथा हेल्पलाइन नंबर–9368636558 पर कॉल कर या इसी नम्बर पर व्हाट्सएप (कार्यदिवस में सुबह दस बजे से शाम पांच बजे तक) उपलब्ध रहेगा, जिस पर वे अपनी समस्या के निराकरण के लिए संपर्क कर सकते है। गौरतलब है कि राजकीय विद्यालयों में कार्यरत 386 शिक्षकों को 12 मार्च को पदोन्नति का तोहफा मिला था। इसमें पुरुष वर्ग के 92 और महिला वर्ग की 294 शिक्षिकाओं का अधीनस्थ राजपत्रित पद पर प्रमोशन हुआ था। पदोन्नति के लिए चयन समिति की बैठक 11 दिसंबर 2024 को माध्यमिक शिक्षा निदेशक के कैंप कार्यालय लखनऊ में हुई थी।

## एसआरएन में राष्ट्रीय टीकाकरण अभियान की पहल

प्रयागराज। स्वरूपरानी नेहरू अस्पताल में राष्ट्रीय टीकाकरण अभियान की शुरूआत की गयी। इसके तहत कम्युनिटी मेडिसिन विभाग की पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ. खुर्शीद परवीन में टीकाकरण अभियान से संबंधित आंकड़ों को पोर्टल कोविड–19 की तरह पर नियमित अपलोड किया जाएगा। इस बारे में अस्पताल के कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया गया है। अभियान के तहत स्वास्थ्य संगठनों और सरकारी संस्थानों में टीकाकरण के प्रति जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। डॉ. खुर्शीद के अनुसार टीकाकरण केवल एक स्वास्थ्य कार्यक्रम नहीं, बल्कि भविष्य की पीढ़ी की सुरक्षा का संकल्प है।पोर्टल के माध्यम से यह सुनिश्चित किया जाएगा कि कोई भी पात्र व्यक्ति टीकाकरण से वंचित न रहे। इस पहल से शहर में संक्रामक रोगों पर प्रभावी नियंत्रण किया जा सकेगा।

# न्यायमूर्ति वर्मा के तबादले से नाराज हाईकोर्ट बार एसोसिएशन ने शुरू किया बेमियादी कार्य बहिष्कार

प्रयागराज। न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा का तबादला इलाहाबाद हाईकोर्ट करने से नाराज इलाहाबाद हाईकोर्ट बार एसोसिएशन ने मंगलवार से अनिश्चितकालीन हड़ताल और कार्य बहिष्कार शुरू कर दिया है।

न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा का दिल्ली से इलाहाबाद हाईकोर्ट तबादला होने से नाराज हाईकोर्ट बार एसोसिएशन ने मंगलवार से अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू कर दिया है।हाईकोर्ट बार एसोसिएशन की ओर से मांग की गई कि जस्टिस वर्मा के बंगले में मिली बेहिसाब नगदी की जांच ईडी या सीबीआई से कराई जाए। साथ ही महाभियोग का प्रस्ताव भी लाया जाए।

मामले को लेकर देर शाम हाईकोर्ट बार एसोसिएशन ने मंगलवार से अनिश्चितकालीन कार्य बहिष्कार का एलान कर दिया। बार एसो. के सचिव विक्रांत पांडे ने कहा कि फोटो एफिडेविट सेंटर भी 26 मार्च से बंद किए जाएंगे।

सोमवार को हाईकोर्ट बार एसोसिएशन की ओर से बुलाई गई आमसभा को संबोधित करते हुए बार के अध्यक्ष अनिल तिवारी ने कहा कि जस्टिस वर्मा मामले की अंदरखाने जांच नहीं की जानी चाहिए। जज के बंगले में मिली अकूत नगदी न्यायालय की शुचिता पर दाग है। लिहाजा, मामले में जांच और कार्रवाई ठीक वैसे ही की जानी चाहिए, जैसे नौकरशाहों व राजनेताओं के मामले में होती है।

उन्होंने कहा कि जस्टिस वर्मा के सुनाए गये फैसलों पर भी पुनर्विचार किया जाना चाहिए। इसके बाद देर शाम एसोसिएशन ने अनिश्चितकालीन तक न्यायिक कार्य से विरत रहने का फैसला लिया है।

उन्होंने इलाहाबाद हाईकोर्ट के वकीलों से इस संबंध में अपील भी की है।

आमसभा में मौजूद वकीलों ने अंकल जज सिंड्रोम (न्यायपालिका में फैले कथित भाई–भतीजावाद और पक्षपात), लिस्टिंग व मुकदमों के निस्तारण की धीमी रफ्तार पर भी आवाज उठाई। बार एसोसिएशन ने न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के खिलाफ मांग और अन्य प्रस्तावों को मुख्य न्यायाधीश व सुप्रीम कोर्ट भेजने का फैसला लिया है।

बार के सचिव विक्रांत पांडेय ने कहा कि हमें न्यायपालिका पर पूरा भरोसा है, लेकिन कुछ लोग इसे दूषित कर रहे हैं। ऐसे लोगों के खिलाफ कानून के तहत सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। आम सभा में वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजेश खरे, अग्निहोत्री कुमार त्रिपाठी, अखिलेश कुमार मिश्रा, सुभाष चंद्र यादव, नीरज त्रिपाठी, नीलम शुक्ला, सुमित कुमार श्रीवास्तव आदि उपस्थित रहे।

# हाईकोर्ट ने की टिप्पणी: पत्नी के समर्पण और भरोसे का सम्मान करे पति...आप संरक्षक हैं मालिक नहीं

प्रयागराज। पत्नी का अंतरंग वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल करने वाले पति की याचिका इलाहाबाद हाईकोर्ट ने खारिज कर दी। मामला मिर्जापुर जिले का है। हाईकोर्ट ने तल्ख टिप्पणी करते हुए पति की याचिका खारिज कर दी। कहा कि पति पत्नी का संरक्षक है, न कि मालिक। उसने पत्नी के भरोसे और सम्मान को आघात पहुंचाया है। ऐसे व्यक्ति को राहत नहीं दी जा सकती है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने पत्नी के बगैर सहमति के बनाए गए उसके अंतरंग वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल करने के आरोपी युवक की याचिका खारिज कर दी। कहा कि पति, पत्नी के समर्पण और भरोसे का सम्मान करें, आप उसके संरक्षक हैं मालिक नहीं। खुद को मालिक समझ

वैवाहिक पवित्रता को कलंकित करने वाला पति राहत का हकदार नहीं हो सकता। यह टिप्पणी न्यायमूर्ति विनोद दिवाकर की अदालत ने मिर्जापुर निवासी प्रदुम्न यादव की ओर से जिला अदालत में लंबित आपराधिक कार्यवाही को चुनौती देने वाली याचिका पर की है। मामला मिर्जापुर के पड़री थाना क्षेत्र का है। धनही निवासी प्रदुम्न की शादी चुनार के पिरल्ली गांव में हुई थी। आठ मई 2022 को पत्नी ने प्रदुम्न के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया। आरोप लगाया कि उसने दहेज उत्पीड़न को लेकर दर्ज मुकदमें की सुलह के 13 सितंबर 2021 को वह ससुराल गई थी। उसी रंजिश में पति ने उसकी मर्जी के खिलाफ अंतरंग वीडियो बनाई। वह वीडियो रिश्तेदारों के मोबाइल व सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। इससे उसकी प्रतिष्ठा को आघात पहुंचा है। पुलिस ने विवेचना के बाद पति के खिलाफ ट्रायल कोर्ट में आईटी एक्ट की ध ाराओं में आरोप पत्र दाखिल कर दिया। कोर्ट ने समन जारी कर पति को तलब किया। इसके खिलाफ पति ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया। याची के अधिवक्ता ने दलील दी कि पीड़िता कानूनी तौर पर उसकी विवाहित पत्नी है। अंतरंगता उसका अधिकार है। वीडियो बनाने व उसे सोशल मीडिया पर अपलोड करने का साक्ष्य रिकॉर्ड में उपलब्ध नहीं है। लिहाजा, आईटी एक्ट के तहत दर्ज मुकदमा रद्द किया जाना चाहिए।

कोर्ट ने दलीलों को सिरे से खारिज कर दिया। कहा कि पत्नी का शरीर उसकी अपनी संपत्ति है। उसके निजी जीवन से जुड़ी हर बात में उसकी सहमति जरूरी है। विवाह एक पवित्र रिश्ता है। विश्वास उसकी नींव है। खुद को पत्नी का मालिक मान कर फेसबुक पर अंतरंग वीडियो अपलोड कर वैवाहिक रिश्ते की पवित्रता को भंग नहीं किया जा सकता। पत्नी, पति से अपेक्षा करती है कि वह उसके समर्पण और भरोसे का सम्मान करे।

## एसडी कालेज आफ कामर्स के मानविकी संकाय द्वारा उन्नत भारत अभियान के अन्तर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में वृक्षारोपरण, स्वच्छता अभियान व जल संरक्षण रैली

मुजफ्फरनगर। आज एस० डी० कॉलेज ऑफ कॉमर्स मुजफ्फरनगर में भारत सरकार द्वारा चलाये जा रहे उन्नत भारत अभियान के तहत मानविकी संकाय द्वारा ग्राम भ्रमण के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में वृक्षारोपरण, स्वच्छता अभियान व जल जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। जिसमें छात्र ६ छात्राओं ने गांव में होने वाली गतिविधियों को बारिकी से जाना तथा ग्राम वासियों को उन्नत भारत अभियान के तहत जागरूक किया। महाविद्यालय द्वारा छात्र ६ छात्राओं को ग्राम पचौण्डाकलां ले जाया गया। गांव में छात्र ६ छात्राओं द्वारा सर्वप्रथम वृक्षारोपण किया गया जिसमें छात्र ६ छात्राओं ने बेल, बरगद, नीम, अमरूद, आम आदि के पौधे लगाकर गांव के लोगों को पर्यावरण बचाने के प्रति जागरूक किया। स्वच्छता अभियान व जल

जागरूकता के तहत एक रैली गांव के मुख्य मार्गो से निकाली गई जिसमें छात्र ६ छात्राओं ने बहुत से सार्वजनिक स्थानों की सफाई की तथा गांव के लोगों को भी साफ–सफाई रखने व लोगों को स्वच्छता के लिए प्रेरित किया। ग्राम प्रधान श्री धर्मेन्द्र जी द्वारा इस कार्यक्रम की सरहाना की गई व भविष्य में भी इस तरह के कार्यक्रम आयोजित करने का आग्रह किया तथा छात्र ६ छात्राओं को अपना पूर्ण सहयोग देते हुए आर्शीवाद प्रदान किया। महाविद्यालय के प्राचार्य डा० सचिन गोयल द्वारा इस कार्यक्रम की बहुत प्रशंसा की गई व बताया गया कि सरकार द्वारा चलाये जा रहे इस कार्यक्रम से छात्र ६ छात्राओं को ग्रामीण क्षेत्र में विकास से जुडी हुई कठिनाइयों व उनके निवारण हेतु उपलब्ध प्रक्रिया का ज्ञान अर्जित किया व अपने क्षेत्र के भौतिक व सामाजिक विकास से जुडे हुए विभिन्न पहलुओं का अध्ययन किया व उसके क्रियान्वित होने में अपना सहयोग प्रदान किया । जिससे आज के युग के नवयुवकों को हमारी संस्कृति एव संस्कारों का ज्ञान प्राप्त होता है। मानिविकी संकाय की विभागाध्यक्षा श्रीमति एकता मित्तल ने कार्यक्रम व रैली को सफल बनाने में शिक्षक डा0 नीतु पंवार, सपना चौहान, विरेन्द्र कुमार, सोहन लाल, साक्षी व छात्रों आदि का आभार व्यक्त किया।

## खानपान का एक अड्डा उजड़ गया, दूसरे की बारी

प्रयागराज। ब्वॉयज हाईस्कूल के पास लजीज व्यंजन का एक लोकप्रिय अड्डा आखिरकार हट गया। नाइट मार्केट के नाम से मशहूर फूड जोन में जहां शाम से देर रात तक पैर रखने की जगह नहीं होती थी, वहां अब सन्नाटा पसर गया है। नाइट मार्केट के सामने धोबीघाट चौराहा से राणा प्रताप चौराहा जाने वाले वाहनों की रफ्तार धीमी हो जाती थी। अब यहां वाहन फर्राटा भर रहे हैं। मार्केट उजड़ गई, लेकिन यहां की दुकानों में मिलने वाले लजीज व्यंजन के शौकीन शहरी आज भी चक्कर काट रहे हैं। पूछ रहे हैं कि यहां से हटाई गई दुकानें कहां गईं। मार्केट का फूड जोन हटाए जाने के तीन दिन बाद मधवापुर से आए रामसेवक आसपास खड़े लोगों से दुकानों के बारे में पूछ रहे थे। अल्लापुर के राजेश भी पिछले एक साल से मार्केट में शाम को नियमित आते थे। बीएचएस के पास मार्केट उजड़ने के बाद अब लोग आजाद पार्क के सामने नाइट मार्केट के फूड जोन की ओर रुख कर रहे हैं। यह मार्केट भी उजड़ने वाली है। धीरे–धीरे मार्केट के स्टाल हटाए जा रहे हैं। बीएचएस के पास मार्केट बंद किए जाने के बाद आजाद पार्क के सामने दुकानों में भीड़ बढ़ी है, लेकिन शहर की पहली नाइट मार्केट पर भी खतरा मंडरा रहा है। नगर निगम ने आजाद पार्क के सामने नाइट मार्केट के संचालक को भी नोटिस भेजा है। यहां भी वही खामियां मिली हैं, जो बीएचएस के सामने मार्केट में पाई गई थी। प्रयागराज स्मार्ट सिटी लिमिटेड की ओर से बसाई गई शहर की पहली नाइट मार्केट को भी इसी महीने हटाने की तैयारी है। नगर निगम मार्केट संचालक को नोटिस भेज चुका है।

## वेंडिंग जोन के लिए शहर में बनेगी वार्ड स्तर पर कमेटी

प्रयागराज। शहर में वार्ड स्तर पर वेंडिंग कमेटी बनेगी। वार्ड के पार्षद कमेटी में होंगे। इसमें क्षेत्र के पटरी दुकानदारों को भी जगह दी जाएगी। वार्ड स्तर कमेटी बनाने के लिए टाउन वेंडिंग कमेटी की बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। आपके अपने अखबार 'हिन्दुस्तान में बोले प्रयागराज के तहत प्रकाशित 'वेंडिंग जोन का पता नहीं, फुटपाथ से भगा रहे, कहां लगाएं दुकान शीर्षक समाचार को संज्ञान में लेकर नगर निगम के नए भवन में सोमवार को ढाई साल बाद हुई टाउन वेंडिंग कमेटी की बैठक बुलाई गई। बैठक में नए वेंडिंग जोन बनाने पर चर्चा हुई। अधिकारियों ने उन मार्गों के बारे में जानकारी दी, जहां वेंडिंग जोन नहीं बनाए जा सकते। लगभग दो घंटे चली बैठक में उन पटरी दुकानदारों के खिलाफ शिकंजा कसने का निर्णय लिया गया, जिन्होंने वेंडिंग जोन में दुकानों का आवंटन कराया, लेकिन कहीं और दुकानें लगा रहे हैं। तय हुआ कि ऐसे दुकानदारों को निर्धारित अवधि में वेंडिंग जोन में जाना होगा। दुकानदार नहीं जाते तो दुकानों का आवंटन निरस्त किया जाएगा। इसके अलावा आवंटन से अब तक दुकानदारों से आवंटित दुकानों का किराया भी लिया जाएगा। अधिकारियों ने कहा कि पटरी दुकानदारों को व्यवस्थित करने के लिए ऐसा करना जरूरी है। मेडिकल कॉलेज चौराहा पर संचालित दुकानों के खिलाफ शिकायत की गई। बैठक में मौजूद यातायात पुलिस के अधिकारी ने बताया कि चौराहे पर दुकानों की वजह से जाम लगता है। चौराहे की दुकानों में शटर लगाने पर भी आपत्ति जताई गई। नगर आयुक्त चंद्र मोहन गर्ग की अध्यक्षता में आयोजित बैठक के बाद टाउन वेंडिंग कमेटी के सदस्य रविशंकर द्विवेदी ने बताया कि बैठक में शहर के सभी दुकानदारों को व्यवस्थित तरीके से वेंडिंग जोन में शिफ्ट करने की कवायद शुरू हुई है। बैठक में अपर नगर आयुक्त अरविंद कुमार राय के अलावा वन, यातायात पुलिस व अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

## इविवि: सीयूईटी देने वाले छात्र तीन पाठ्यक्रमों में ले सकेंगे प्रवेश

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय (इविवि) एवं इसके संघटक कॉलेजों में स्नातक पाठ्यक्रमों में कॉमन यूनिवर्सिटी इंट्रेंस टेस्ट (सीयूईटी) के जरिए प्रवेश होगा। इस बार खास बात यह है सीयूईटी देने वाले विद्यार्थियों को तीन पाठ्यक्रम में प्रवेश मिल जाएगा। चाहे वह सीयूईटी किसी भी ऐच्छिक विषय (डोमेन) से दिया हो। अब छात्र बीए–एलएलबी, बीएफए (बैचलर ऑफ फाइन आर्ट्स) और बीपीए (बैचलर ऑफ परफॉर्मिंग आर्ट्स) में प्रवेश ले सकेंगे। इससे पूर्व बीए–एलएलबी में दाखिले के लिए विद्यार्थियों को डोमेन में विधिक ज्ञान की परीक्षा अनिवार्य थी, जबकि बीएफए फाइन आर्ट्स और बीपीए में दाखिले के लिए संगीत विषय अनिवार्य था। लेकिन अब इविवि ने इन अनिवार्य विषयों को समाप्त कर दिया है, जिससे छात्रों को इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेने में आसानी होगी। सीयूईटी की ओर से आयोजित होने वाली स्नातक प्रवेश परीक्षा में तीन खंडों से प्रश्न पूछे जाएंगे। पहला खंड भाषा का होगा। दूसरा खंड ऐच्छिक विषय (डोमेन) का होगा। इसमें 22 विषयों का विकल्प दिया गया है। विद्यार्थियों को इसमें से एक विषय का ही विकल्प भरना होगा। तीसरा खंड का जनरल एप्टीट्यूड टेस्ट का होगा जिसमें करंट अफेयर्स, मानसिक योग्यता, संख्यात्मक क्षमता और मात्रात्मक तर्क से जुड़े प्रश्न पूछे जाएंगे।

## स्वाद के चलते सेहत के साथ न करें खिलवाड़: डा. तोमर

प्रयागराज। विश्व आयुर्वेद मिशन की ओर से सोमवार को प्रबोधन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर मिशन के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. जीएस तोमर ने अपने ऑनलाइन संबोधन में कहा कि रुचिकर भोजन सभी की स्वाभाविक प्रवृत्ति होती है। आयुर्वेद में पथ्य का विशेष महत्व है । पथ्य का अभिप्राय है कि जो आहार शरीर के लिए लाभदायक हो। हमें ध्यान देने की जरूरत जी स्वाद के चलते कहीं सेहत के साथ खिलवाड़ तो नहीं कर रहे हैं।माना जाता है कि मीठा, खट्टा, नमकीन, तीखा, कड़वा व कषैला छह रस का भोजन ही सन्तुलित भोजन है। एक रस का अधिक सेवन हानिकारक है। अधिकांश लोगों को मीठा बहुत पसंद होता है। जिसका अधिक सेवन न केवल व्यक्ति को मधुमेह का शिकार बना सकता है।

## स्टेशन पर महिला का ट्राली बैग चोरी

प्रयागराज। महाकुम्भ के दौरान नई दिल्ली से आई एक महिला यात्री का झूंसी रेलवे स्टेशन पर ट्राली बैग गायब हो गया। नोएडा निवासी अंजली ने नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस को बताया कि 27 जनवरी को वह प्रयागराज आई थी। वापस लौटते वक्त झूंसी रेलवे स्टेशन पर किसी ने उसका ट्राली बैग चोरी कर लिया।

## इंदौर इकाई की काव्यगोष्ठी सम्पन्न

इंदौर। शहर समता विचार मंच इंदौर इकाई मार्च माह की महिला काव्य गोष्ठी होली मिलन के उपलक्ष्य में आशा जाकड़ के संयोजन में हुई। कार्यक्रम अध्यक्ष डॉ साधना शुक्ला की अध्यक्षता में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। इस काव्यगोष्ठी की मुख्य अतिथि उमा मिश्रा प्रीति एवं विशिष्ट अतिथि सुनीता केसवानी




काव्य गोष्ठी का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन और सरस्वती की मूर्ति में माल्यार्पण द्वारा किया गया। सरस्वती देवी की वन्दना डॉ शशि निगम घ्द्वारा की गयी। काव्य गोष्ठी का कुशल संचालन नीलू सक्सैना ने किया।इस काव्य गोष्ठी में सखियों ने सुंदर रचनाओं की प्रस्तुति द्वारा किया।डा.अंजुल कंसल,संतोष तोषनीवाल,डॉ शशिकला अवस्थी,नीति अग्निहोत्री,डॉ शशि निगम, लता सेनघ्श्रुति चौधरी, ,सीता सेन, प्रभा तिवारी, हेमाघ् जैन ,सुषमा शुक्ला, शोभा रानी तिवारी , डॉ घ्सुधा चौहान, प्रेरणा सेन्द्रे , भावना दामले नीलू सक्सेना, सुनीता संतोषी और। गायत्री शर्मा आदि की सुंदर रचनाओं की प्रस्तुति द्वारा आयोजन में चार चांद लगा दियें , धन्यवाद ज्ञापन डॉ अंजुल कंसल ने किया।

## खेल प्रतियोगिता का आयोजन

प्रयागराज। सदन लाल सवाल दास खन्ना महिला महाविद्यालय प्रयागराज में दिनांक 25 मार्च 2025 को इंटर फैकल्टी चेस एवं कैरम खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें महाविद्यालय के बी ए, कॉमर्स बी.एड, बी ए एल एल बी, साइंस, के छात्राओं ने भाग लिया प्रतियोगिता का उद्घाटन महाविद्यालय की उप



प्राचार्या मंजरी शुक्ला एवं प्रो रचना आनंद गौड़ ने कियास प्रतियोगिता का रिजल्ट इस प्रकार रहा। 'चेस' में इका ईश्वरी बी ए एल एल बी, ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। ज्योति चौहान बी.एड ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। अर्पिता शुक्ला बी ए प्रथम वर्ष ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। 'कैरम' में पूजा विश्वकर्मा बी.एड, ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। श्रेया चौहान बी ए एल एल बी, ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। प्रतिभा सिंह बी ए प्रथम वर्ष,ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता में विजयी छात्राओं को प्रचार्या प्रो. लालिमा सिंह ने मेडल एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया महाविद्यालय की क्रीड़ा अध्यक्ष प्रो. रेखा रानी ने अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के स्पोर्ट्स कमेटी के सभी शिक्षक प्रशिक्षक उपस्थित रहे।

## मथुरा में मादक पदार्थों की बड़ी खेप पकडी, कीमत तीन करोड़

मथुरा। मादक पदार्थों की बडी खेप मथुरा में पकडी गई है। पकडे गये मादक पदार्थों की अनुमानित कीमत करीब तीन करोड रूपये हैं। पुलिस ने एक तस्कर को भी गिरफ्तार किया है। मंगलवार को एएनटीएफ आगरा की टीम ने मथुरा पुलिस को साथ लेकर संयुक्त कार्यवाही की। संयुक्त टीम ने अंतर्राज्यीय अवैध मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले एक सक्रिय गिरोह के तस्कर मौ. गयास अंसारी पुत्र मरहूम मौ. खलील अंसारी निवासी नरेला दिल्ली, मूल निवासी ग्राम व पोस्ट दौतलपुर थाना जमुई जिला जमुई बिहार उम्र करीब 42 वर्ष को गिरफ्तार किया है। इसके कब्जे से टीम ने एक किलो 62 ग्राम मादक पदार्थ हेरोइन एवं 469 ग्राम स्मैक (अनुमानित अन्तर्राष्ट्रीय कीमत करीब तीन करोड रुपये) व एक मोबाइल फोन बरामद किये हैं। मंगलवार को प्रभारी निरीक्षक कोतवाली के नेतृत्व में एसआई विक्रांत तोमर (चौकी प्रभारी कृष्णानगर) द्वारा पुलिस बल व एएनटीएफ ऑपरेशनल यूनिट आगरा की संयुक्त टीम द्वारा कार्यवाही की गई। 24 मार्च की रात्रि को करीब 21.35 बजे मालगोदाम के पास बनी मजार का चबूतरा थाना कोतवाली मथुरा से गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त के विरूद्ध धारा 8, 22, 29 एनडीपीएस एक्ट पंजीकृत किया गया है। खबर लिखे जाने तक अग्रीम विधिक कार्यवाही की जा रही है। पकड़ी गई एक किलो 62 ग्राम अवैध मादक पदार्थ हेरोइन की अनुमानित अन्तर्राष्ट्रीय कीमत करीब दो करोड रूपये तथा 469 ग्राम अवैध मादक पदार्थ स्मैक की अनुमानित अन्तर्राष्ट्रीय कीमत करीब एक करोड रुपये है। एक एन्ड्रोइड मोबाइल व 1755 रुपये नगदी तस्कर के पास से मिली ही। कार्यवाही करने वाली टीम में निरीक्षक एएनटीएफ हरवेन्द्र मिश्रा एएनटीएफ यूनिट आगरा जोन आगरा, प्रभारी निरीक्षक थाना कोतवाली देवपाल पुण्डीर, एसआई गौरव शर्मा एएनटीएफ यूनिट आगरा जोन आगरा, उपनिरीक्षक विक्रान्त तोमर चौकी प्रभारी कृष्णानगर थाना कोतवाली मथुरा आदि थे। साल 2025 में ही जीआरपी ने चेकिंग के दौरान दो तस्करों को 28.410 किलोग्राम गांजे के साथ गिरफ्तार किया था। बरामद गांजे की कीमत लगभग 5,70,000 लाख रुपये आंकी गई थी।



# आक्टा का चुनाव 27 अप्रैल तक

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय संघटक महाविद्यालय शिक्षक संघ (आक्टा) की सामान्य सभा की बैठक अध्यक्ष प्रो उमेश प्रताप सिंह की अध्यक्षता में इलाहाबाद डिग्री कॉलेज में संपन्न हुई। सामान्य सभा में सदस्यों ने सर्वसम्मति से आक्टा के पदाधिकारीयों का चुनाव 27 अप्रैल 2025 तक पूरा करा लेने का प्रस्ताव पारित किया। आक्टा में नए सदस्यों के रजिस्ट्रेशन की अंतिम तिथि 28 मार्च है जबकि 2 अप्रैल को वोटर लिस्ट का प्रकाशन किया जाएगा। वोटर लिस्ट में किसी भी प्रकार की आपत्ति 4 अप्रैल तक दर्ज की जाएगी और 6 अप्रैल को अंतिम वोटर लिस्ट प्रकाशित की जाएगी। महाविद्यालय इकाइयों का गठन करने की अंतिम तिथि 16 अप्रैल है। ऑक्टा कार्यकारिणी की अगली बैठक में ऑक्टा पदाधिकारीयों के चुनाव को सम्पन्न कराने के लिए मुख्य चुनाव अधिकारी तथा सहायक चुनाव अधिकारियों का चयन किया जाएगा।



बैठक में महाविद्यालयों से वापस लिए गए विषयों में स्नातकोत्तर कक्षाओं को दोबारा शुरू करने के संबंध में विस्तार से चर्चा की गई और यह निर्णय लिया गया कि इस संदर्भ में ऑक्टा अपने प्रयास केंद्र से लेकर विश्वविद्यालय स्तर पर जारी रखेगा और इसके लिए हर स्तर पर संघर्ष किया जाएगा।

यूजीसी द्वारा पीएचडी इंक्रीमेंट वापस लिए जाने के संदर्भ में आम सभा में कुलपति द्वारा फिलहाल पीएचडी इंक्रीमेंट वापस नहीं लिए जाने और यूजीसी द्वारा इस संदर्भ में कमेटी बनाई जाने का स्वागत किया गया परंतु इस मुद्दे पर लगातार विरोध करते रहने की बात कही गई। सदस्यों ने सर्वसम्मति से यह मांग की कि महाविद्यालय के जिन विषयों में अब तक शिक्षकों को शोध करने की अनुमति नहीं मिली है उन विषयों में भी शीघ्र ही शिक्षकों को शोध कराने की अनुमति विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की जाए।

सामान्य सभा में अनेक सदस्यों ने यूजीसी रेगुलेशन के अनुरूप अर्हता तिथि से प्रोफेसर पद पर प्रोन्नति के लिए विश्वविद्यालय द्वारा कमेटी ना बनाया जाने और इस मुद्दे पर टाल मटोल करने पर बेहद क्षोभ व्यक्त किया। इस संदर्भ में ऑक्टा अध्यक्ष प्रोफेसर उमेश प्रताप सिंह ने बताया कि देश के कई केंद्रीय विश्वविद्यालयों के महाविद्यालयों से सूचना के अधिकार के तहत सूचना मंगाई गई है जिससे स्पष्ट है कि प्रत्येक महाविद्यालय में अर्ह शिक्षकों को 18 जुलाई 2018 से प्रोफेसर पद पर पदोन्नति की गई है।

सदस्यों ने एयूसीजीएचएस की बहुत ही खराब और दयनीय स्थिति पर चिंता व्यक्त की और कहा कि यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि विश्वविद्यालय और संघटक महाविद्यालयों के हजारों शिक्षकों और कर्मचारियों के लिए मेडिकल की इतनी घटिया व्यवस्था पर विश्वविद्यालय मौन है। बैठक में सर्वसम्मति से यह मांग की गई कि इसे केंद्रीय सरकार की हेल्थ स्कीम से जोड़ा जाए। आक्टा अध्यक्ष ने बताया कि इस संदर्भ में ऑक्टा लगातार प्रयास कर रहा है।बैठक में सर्वसम्मत से केंद्र सरकार द्वारा लाई गई नई पेंशन नीति की आलोचना की गई और पुरानी पेंशन की मांग की गई और यह फैसला लिया गया कि पुरानी पेंशन स्कीम को लागू करने के लिए आक्टा का संघर्ष लगातार जारी रहेगा।

सामान्य बैठक में अनेक सदस्यों ने इस बात पर क्षोभ और आक्रोश व्यक्त किया कि विश्वविद्यालय में कुलपति कार्यालय में महाविद्यालयों की फाइलें महीनों से रुकी पड़ी हैं और छोटे छोटे अनेक कार्यों के लिए कुलपति कार्यालय का चक्कर लगाना पड़ता है। सदस्यों ने कहा कि हम शिक्षकों की तो छोड़िए ऑक्टा के पदाधिकारी और महाविद्यालय के प्राचार्य भी लगातार प्रयास करने के बाद भी कुलपति से नहीं मिल पाते हैं।

बैठक मैं ऑक्टा अध्यक्ष ने इलाहाबाद डिग्री कॉलेज के नवनियुक्त शिक्षकों सहित सभी सदस्यों का स्वागत किया। संचालन महासचिव प्रोफेसर संतोष कुमार श्रीवास्तव ने तथा धन्यवाद ज्ञापन उपाध्यक्ष डॉ अखिलेश कुमार त्रिपाठी ने किया। कार्यक्रम में महिला उपाध्यक्ष प्रोफेसर अंशु माला मिश्रा, कोषाध्यक्ष डॉक्टर हरिश्चंद्र यादव, संयुक्त सचिव डॉक्टर आशीष मिश्रा, पूर्व ऑक्टा अध्यक्ष प्रोफेसर सुरेंद्र पाल सिंह, प्रोफेसर आनंदपाल, प्रोफेसर मार्तंड सिंह, डॉक्टर आरपी सिंह, डॉक्टर नरेंद्र बाजपेई, प्रोफेसर धीरज कुमार, प्रोफेसर रजत श्रीवास्तव, प्रो नंदिता श्रीवास्तव, प्रो संघसेन सिंह, डॉ शिवशंकर श्रीवास्तव,डॉ अमित सिंह, प्रो एस पी सिंह, डॉ नीरज सिंह, प्रवीण कुमार, डॉ आशीष त्रिपाठी सहित सभी महाविद्यालयों के शिक्षक और शिक्षिकाएं उपस्थित थे।

## व्यापारियों का महाकुंभ लखनऊ के अटल कन्वेंशन सेंटर में आयोजित

मुजफ्फरनगर। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के व्यापारियों का महाकुंभ एवं 3 साल बाद हुए चुनाव में प्रदेश के नवनिर्वाचित पदाधिकारी का शपथ ग्रहण समारोह लखनऊ के अटल कन्वेंशन सेंटर में आयोजित हुआ ᐳ यहां मुख्य अतिथि पूर्व राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद जी, विशिष्ट अतिथि प्रदेश सरकार के उपमुख्यमंत्री श्री बृजेश पाठक जी, श्री सुनील सिंघी जी अध्यक्ष व्यापारी कल्याण बोर्ड भारत सरकार, असीम अरुण जी कैबिनेट मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार एवं वरिष्ठ प्रांतीय उपाध्यक्ष एवं पूर्व विधायक अशोक कंसल रहे ᐳ उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष मुकुंद मिश्रा ने अगले 3 साल का विजन पेश करते हुए कहा कि ऑनलाइन बाजार की नीतियों के खिलाफ पूरे साल भर अभियान चलेगा क्योंकि इसकी सारी प्रक्रिया गुमराह करने वाली है ᐳ बाल श्रम, विसंगति के खिलाफ भी अभियान चलाने का फैसला हुआ ᐳ हजारों की संख्या में जुटे प्रदेश भर के व्यापारियो ने सरकारी अफसर द्वारा उत्पीड़न के खिलाफ आवाज



उठाते हुए सड़कों पर उतरने की चेतावनी भी दी है ᐳ पूर्व राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद जी का उद्बोधन एक राष्ट्र एक चुनाव पर बहुत ही सारगर्भित था उन्होंने बताया कि यदि यह भारत में संभव हो गया तो भारत की ग्रोथ दर 7.5 : से 9 : तक हो जाएगी, जिसमें देश के विकास को पंख लगेंगे ᐳ उपमुख्यमंत्री श्री बृजेश पाठक एवं असीम अरुण जी ने व्यापारियों की हर समस्याओं के निराकरण करने का आश्वासन दिया ᐳ अशोक कंसल जी ने अपने उद्बोधन में जीएसटी संबंधित विसंगतियों के बारे में विस्तार से बताया ᐳ दिनेश बंसल जी ने फूड विभाग के मानकों के विषय में अपनी बात रखी ᐳ सभी जिले के प्रतिनिधियों ने व्यापार में आ रही समस्याओं के विषय में सदन को अवगत कराया ᐳ सभा के समापन पर प्रदेश अध्यक्ष मुकुंद मिश्रा ने सभी व्यापारी बंधुओ का हृदय की गहराइयों से धन्यवाद व्यक्त किया ᐳ कार्यक्रम में मुख्य रूप से अशोक कंसल, दिनेश बंसल, सरदार सुलखन सिंह, राजेश जैन, संजय जैन, बाबूराम मलिक, अंजू शर्मा, अनिल तायल, सुनीता शर्मा, सचिन शर्मा इत्यादि व्यापरीकरण उपस्थित रहे।

## श्री राम एवं भगवा ध्वज को लेकर गलत कार्य करने वालों का किया जाएगा इलाज, कश्यप समाज के युवा एवं महिलाओं ने भी दिया समर्थन

मुजफ्फरनगर। सामाजिक समस्याओं के निस्तारण के लिए लगातार कार्य करते हुए पीड़ितों को न्याय दिलाने का काम कर रहे राष्ट्रीय सामाजिक संस्था के अध्यक्ष प्रमुख समाजसेवी मनीष चौधरी के साथ अब कश्यप समाज ने खड़े होकर उनमें आस्था जताई और उनकी टीम के साथ मिलकर समाज के उत्थान के लिए कार्य करने का निर्णय लिया है। इससे पहले कुछ हिंदूवादी संगठनों के लोग भी वरिष्ठ पदाधिकारियों की वसूली नीति से परेशान होकर प्रमुख समाजसेवी मनीष चौधरी से जुड़े हैं। शहर के मौहल्ला बंजारान में भगवान महर्षि कश्यप चौक समिति ट्रस्ट के अध्यक्ष नवीन कश्यप और प्रभारी राधेश्याम कश्यप के नेतृत्व में एक मीटिंग का आयोजन किया गया। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में प्रमुख समाजसेवी मनीष चौधरी को आमंत्रित किया गया। मीटिंग में समाज की प्रमुख समस्याओं को उठाया गया। नवीन कश्यप ने कहा कि प्रमुख समाजसेवी के रूप में मनीष चौधरी अपनी टीम के साथ मिलकर हर वर्ग और समुदाय के लोगों की आवाज उठाने के लिए लगातार संघर्ष कर रहे हैं। अब समाज ने निर्णय लिया है कि सामाजिक उत्थान के लिए कार्य में पूरा समाज एकजुट होकर प्रमुख समाजसेवी मनीष चौधरी के साथ मिलकर एक टीम के रूप में काम करेगा। इसके साथ ही नवीन कश्यप ने बताया कि पांच अप्रैल को महर्षि कश्यप जन्मोत्सव समारोह भव्य रूप से मनाया जायेगा। महषि कश्यप चौक काली नदी पुल शामली रोड पर हवन के बाद दोपहर को शोभायात्रा निकाली जायेगी। इस अवसर पर प्रमुख समाजसेवी मनीष चौधरी ने भगवान महर्षि कश्यप चौक समिति के सभी पदाधिकारियों और समाज के युवाओं व सभी लोगों का आभार प्रकट करते हुए कहा कि हम सभी मिलकर समाज को नई दिशा और दशा देने का प्रयास करेंगे। समाज का युवा दिगभ्रमित न हो, इसके लिए भी काम किया जायेगा। जो लोग समाज को बदनाम करने का काम कर रहे हैं, या भगवान श्रीराम एवं भगवा ध्वज को लेकर गलत कार्य करते हुए धर्म को दूषित करने का काम कर रहे हैं, ऐसे लोगों के खिलाफ भी हम समाज को ही साथ लेकर संघर्ष करेंगे। इस मौके पर नवीन कश्यप मिंटू कश्यप रजत कश्यप अंजलि कश्यप ज्योति कश्यप मनीष कश्यप मुकेश कुमार मंजू कश्यप राधेश्याम कश्यप शिवांशु कश्यप दक्ष कश्यप उषा कश्यप सरोज कश्यप अमित कश्यप सरोज गीता रीना फूल कली सुनीता संतोष सुनीता रानी बड़ी संख्या में युवा उपस्थित रहे उपस्थित रहे।



## रंग-पर्व होली पर शानदार काव्य पाठ का हुआ आयोजन

### वरिष्ठ नागरिक काव्य मंच की पूर्वी उत्तर प्रदेश इकाई का कार्यक्रम

प्रयागराज। होली के पावन पर्व के उपलक्ष्य में वरिष्ठ नागरिक काव्य मंच की मासिक काव्य गोष्ठी का आयोजन सफलतापूर्वक किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ कवयित्री प्रेमाराय ने किया। मुख्य अतिथि डॉ ऊषा मिश्रा और विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ कवयित्री कविता उपाध्याय रही। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा माँ सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलन एवं पुष्प अर्पित करके किया गया। सरस्वती वंदना की शानदार प्रस्तुति रचना सक्सेना ने अपनी मधुर वाणी से की। इस आयोजन में वरिष्ठ कवि राजेन्द्र सिंह पर केन्द्रित विशेषांक का लोकार्पण भी किया जिसका संपादकीय वाचन उमेश श्रीवास्तव ने किया। तत्पश्चात काव्यगोष्ठी हुई। इस अवसर पर कवियों में सर्वश्री पंडित राकेश मालवीय श्मुस्कानश, मुक्तक सम्राट रामकैलाश पाल प्रयागी, संजय सक्सेना, कविता उपाध्याय, मनमोहन सिंह, योगेन्द्र कुमार मिश्र, रचना सक्सेना, कमला प्रसाद गिरि , डाक्टर वीरेंद्र कुमार तिवारी,, शंभु नाथ त्रिपाठी, प्रेमाराय, शंमू नाथ श्रीवास्तव, शिवराम उपाध्याय, डॉ इन्दू जमदग्निपुरी, सरिता मिश्रा, और उमेश श्रीवास्तव आदि ने शानदार काव्य पाठ किया। कार्यक्रम का संचालन उमेश श्रीवास्तव ने किया। आभार ज्ञापन और धन्यवाद प्रस्ताव संजय सक्सेना ने किया।

## मन का है संन्यास

(कुण्डलिया)

बातें लम्बी मत करें,सुने!पथिक की बात।
थोड़े से पथ ज्ञात हैं,शेष सभी अज्ञात।
शेष सभी अज्ञात, साँस के खेल निराले।
अन्तिम होगी कौन,फिक्र मत कर मतवाले।
समझो बात प्रदीप, सुखद क्यों होती रातें।
करती हैं संवाद, बताती हरि की बातें।।

साधक की है साधना,मन का है संन्यास।
हँसी–ठिठोली साथ में, व्रत तीरथ उपवास।
व्रत तीरथ उपवास, जला कर घर का चूल्हा।
सजा रहें बाजार, सजाते जैसे दूल्हा।
सुन लो कहें प्रदीप,न दिखता कोई याचक।
करते हैं उपवास,भजनरत सारे साधक।।

डॉ० प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज
प्रयागराज

## साहित्यकार सत्कार: आपके द्वार प्रकल्प का दूसरा चरण 26 को

**अमर शहीद गणेश शंकर विद्यार्थी जी की पुण्यतिथि पर वरिष्ठ साहित्यकार डा. प्रदीप चित्रांशी और डा. अजय मालवीय को साहित्य वारिधि सम्मान दिया जाएगा**

प्रयागराज। महानगर के साहित्यकारों और प्रकाशकों द्वारा संयुक्त रूप से एक अनूठा प्रकल्प आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी जी की जयंती पर शुरू किया गया था जिसका दूसरा चरण 26 मार्च 2025 दिन बुधवार को आयोजित किया जा रहा है द्य 'साहित्यकार सत्कार रू आपके द्वार' नामक इस प्रकल्प में प्रति माह वरिष्ठ साहित्यकारों को उनके आवास पर जाकर सम्मानित करने का निर्णय लिया गया है। उपरोक्त जानकारी डॉ भगवान प्रसाद उपाध्याय व्यवस्थापक साहित्यांजलि प्रकाशन प्रयागराज द्वारा दी गई है द्य डॉ उपाध्याय ने बताया कि वरिष्ठ साहित्यकार डॉ प्रदीप चित्रांशी जी एवं वरिष्ठ साहित्यकार डॉ अजय मालवीय जी को प्रकाशन की ओर से साहित्य वारिधि सम्मान प्रदान किया जाएगा द्य सम्मान समारोह अमर शहीद गणेश शंकर विद्यार्थीजी की पुण्यतिथि के अवसर पर 26 मार्च दिन बुधवार को दोपहर 12 रू 00 बजे से डॉ प्रदीप चित्रांशी जी के आवास ( सारस्वत सभागार लूकरगंज प्रयागराज ) पर आयोजित किया जा रहा है जिसमें महानगर के कई लब्धप्रतिष्ठ साहित्यकार भाग लेंगे द्य समारोह में प्रयागराज के सम्मानित साहित्यकारों ध्कवियों से आयोजन में अपनी गरिमामय उपस्थिति का आग्रह किया गया है।

## पार्टी की नीतियों को आगे बढ़ाएं और जिला संगठन को मजबूत करें विधायक मदन भैया

मुजफ्फरनगर। खतौली विधानसभा ( मुजफ्फरनगर )से राष्ट्रीय लाकेदल पार्टी के विधायक मदन भैया से लोनी ( गाजियाबाद ) शहर में रालोद नेता एवं पूर्व अध्यक्ष मनोज धामा तथा रालोद जिला अध्यक्ष रामपाल सिंह ने संयुक्त शिष्टाचार भेंट की इस मिटिंग के दौरान पार्टी की नीतियों



पर तथा संगठन को मजबूत बनाने पर बल दिया गया राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी की विचारधारा को जन जन तक पहुँचाने और मजबूत करने की बात कही गई तथा पार्टी में अत्यधिक सदस्यता जोड़ने पर भी विचार विमर्श किया गया विधायक मदन भैया ने कहा कि हमारी पार्टी तथा राष्ट्रीय लोकदल के विधायक अपने क्षेत्र में अपनी सामर्थ के अनुसार भरपूर विकास करा रहे हैं इस अवसर पर प्रदेश सहकारिता अध्यक्ष चौयरमेन अमरजीत सिंह बिड्डी , प्रदेश सचिव रणबीर दहिया , क्षेत्रीय महासचिव अरुण चौधरी भूललन जी , युवा क्षेत्रीय उपाध्यक्ष हिमांशु ,नगर जिला उपाध्यक्ष प्रदीप मुखिया जी सरताज खान व इंद्रपाल कसाना आदि मौजूद रहे।

# सम्पादकीय.....

## आधी-अधूरी खुशी

हाल में जारी 'हैप्पीनैस इंडेक्स' में भारत की स्थिति में कुछ सुधार की बात तो जरूर सामने आयी है,लेकिन हमारी खुशी के सूचकांक को यूक्रेन, फिलीस्तीन, नेपाल व पाक से पीछे बताना गले नहीं उतरता। खुशी के मानक निर्धारण के जो पैमाने पश्चिमी देशों द्वारा इस्तेमाल किये जाते हैं, उनकी विश्वसनीयता व तार्किकता को लेकर हमेशा सवाल उठते रहे हैं। निस्संदेह, हमारा देश दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाला देश है। हमारी प्रगति की राह पर सदियों की गुलामी के दंश अभी पूरी तरह मिटे नहीं हैं। निस्संदेह, देश में गरीबी है, बेरोजगारी बढ़ी है, महंगाई है, सामाजिक सुरक्षा में पर्याप्त प्रगति नहीं हुई है। लेकिन तबाह हो चुका फिलीस्तीन, युद्ध में बर्बाद यूक्रेन व दुनिया में मदद मांगता फिरता पाकिस्तान खुशी के मामले में हम से आगे नहीं हो सकते। भले ही देश में आर्थिक विषमता हो, पूंजी का केंद्रीयकरण चंद हाथों में हो, लेकिन इसके बावजूद हम दुनिया की पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था हैं। हम दुनिया की सबसे तेज गति से बढ़ती आर्थिकी हैं। लेकिन इसके बावजूद दर्शाए खुशी के सूचकांक सरकारों को आईना दिखाते हैं कि हर नागरिक की मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति हो, उन्हें सुरक्षित वातावरण उपलब्ध हो, सामाजिक सुरक्षा मिले, काम के अवसर मिलें। मंथन हो कि हमारी रीति–नीतियों में कहां खोट रह गयी कि हम कथित खुशी के सूचकांक में गरीब मुल्कों के पीछे दर्शाए जा रहे हैं। हर राष्ट्रवादी व्यक्ति को ये बात चुभती है कि उसका देश खुशी के मानकों में पिछड़े देशों से भी क्यों पिछड़ रहा है। उल्लेखनीय है कि फिनलैंड को दुनिया का सबसे खुश देश बताया जा रहा है। इसी कड़ी में डेनमार्क व स्वीडन भी हैं। ये विकसित देश भारत के एक शहर जितनी आबादी वाले देश हैं। इनके यहां साक्षरता दर ऊंची है व समृद्ध संसाधन उपलब्ध हैं। कहते भी हैं छोटा परिवार सुखी परिवार होता है। हमारे देश में प्रांतीय, जातीय व धार्मिक अस्मिता के नाम पर जनसंख्या बढ़ाने की दलीलें दी जा रही हैं। दुहाई दी जाती है कि हमारा धर्म इजाजत नहीं देता कि परिवार नियोजन अपनाया जाए। संसाधन सीमित हैं और खाने वाले मुंह लगातार बढ़ते जा रहे हैं। फिर भी शासन–प्रशासन में व्याप्त भ्रष्टाचार एक हकीकत है, जिसको लेकर तमाम राष्ट्रीय–अंतर्राष्ट्रीय आंकड़े समय–समय पर आते रहते हैं। भ्रष्टाचार का मतलब है कि किसी के वाजिब हक का मारा जाना। शिक्षा,स्वास्थ्य व सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्र में हम यदि पिछड़े हैं तो कहीं न कहीं ये हमारे नीति–नियंताओं की विफलता भी है। यह हमारे लोकतंत्र की भी विडंबना है कि मतदान का अधिकार रखने वाले चुनाव के दौरान योग्य प्रतिनिधियों के चयन से चूकते हैं। यही वजह कि जनप्रतिनिधि संस्थाओं में दागदार नुमाइंदों की उपस्थिति बढ़ती जा रही है। जब ऐसे तत्व हमारे भाग्य–विधाता बनेंगे तो खुशी कहां से आएगी? स्पष्ट है कि यदि हम खुशी के मानकों में खरे नहीं उतरे हैं तो नीतियां बनाने वालों को आत्ममंथन करना होगा। जागरूक नागरिक व जिम्मेदार राजनीतिक नेतृत्व तसवीर बदल सकता है।

# रिया से माफी मांगें मीडिया ट्रायल वाले

**डॉ. दीपक पाचपोर**

*दर्शक संख्या बढ़ाने के लिये, जिसे टीआरपी कहा जाता है, न्यूज चौनलों ने सारी हदें पार कर मामले को सनसनीखेज तो बनाया ही था, एक मासूम की इज्जत को तार–तार भी किया था।*

फिल्म अभिनेता सुशान्त सिंह राजपूत की मौत के साढ़े चार वर्षों के बाद अंततः केन्द्रीय जांच ब्यूरो ने अदालत को क्लोजर रिपोर्ट थमा ही दी जिसके कारण उनकी मित्र रही रिया चक्रवर्ती को, जो स्वयं भी एक अदाकारा रही हैं, लगभग एक माह तक जेल की सलाखों के पीछे तो रहना ही पड़ा था, देश भर के नफरतियों तथा सुशान्त की मौत का राजनीतिक लाभ लेने वालों की ओर से जिल्लतों का सामना करना पड़ा था। देश की मुख्यधारा का मीडिया कितने पूर्वाग्रहों और गैरजिम्मेदाराना ढंग से काम करता है– यह भी साबित हुआ है। दर्शक संख्या बढ़ाने के लिये, जिसे टीआरपी कहा जाता है, न्यूज चौनलों ने सारी हदें पार कर मामले को सनसनीखेज तो बनाया ही था, एक मासूम की इज्जत को तार–तार भी किया था। इस मामले को बाकायदा बिहार बनाम पश्चिम बंगाल तक का रूप दे दिया गया था। सोशल मीडिया पर भी भरपूर जहर परोसा गया था। सीबीआई ही नहीं, वरन पांच अलग–अलग स्तरों पर मामले की जांच हुई थी। देश की सर्वोच्च जांच एजेंसी को किसी भी तरह की साजिश के कोई साक्ष्य नहीं मिले। सीबीआई अधिकारियों के अनुसार उसने सुशान्त के पिता की शिकायत वाले मामले में पटना की विशेष अदालत के सामने और दूसरे मामले में मुंबई की विशेष अदालत में क्लोजर रिपोर्ट दाखिल की है। अब सवाल यह है कि क्या मीडिया ट्रायल चलाने वाले अपनी गलती स्वीकारेंगे और खासकर रिया से क्षमा मांगेंगे जिस पर झूठे आरोप लगाये गये तथा जिसकी प्रतिष्ठा को धूल–धूसरित किया गया? हिन्दी सिनेमा के कामयाब व लोकप्रिय कलाकार सुशान्त 14 जून, 2020 को मुम्बई के बान्द्रा स्थित अपने फ्लैट में मृत पाये गये थे। बताया जाता था कि वे अवसादग्रस्त तो रहते ही थे, उन्हें ड्रग्स की भी लत थी। पहले से आशंका थी कि उन्होंने नशीली दवाओं का ओवरडोज लिया था और खुदकुशी की थी, लेकिन मीडिया के साथ सुशान्त के परिजनों ने रिया पर हत्या का आरोप लगाया। इसका मकसद सुशान्त के पैसे तथा जायदाद हड़पना बताया था। पहले तो मुंबई पुलिस ने जांच की तथा इसे प्रथम दृष्टया आत्महत्या बतलाया लेकिन परिजनों के शोर–शराबे के बाद बिहार पुलिस और अंततरू सीबीआई ने इसकी जांच की। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने भी अपने–अपने एंगल से जांच की थी परन्तु हत्या के सबूत नहीं मिल सके। इसलिये जांच के बाद अब सीबीआई ने क्लोजर रिपोर्ट अदालत में दाखिल कर दी है। हालांकि अब न्यायालय तय करेंगी कि इसे स्वीकारना है या आगे जांच के आदेश देने हैं। अभिनेता का सीधा–सीधा आत्महत्या का लगता मामला मीडिया ट्रायल के चलते व राजनीतिक दबावों के कारण पेचीदा कर दिया गया था। पुलिस एवं सुशान्त की बहनों द्वारा लगाये गये आरोपों के साथ सीबीआई ने उस मामले पर भी गौर किया जो रिया चक्रवर्ती ने सुशान्त की बहनों के खिलाफ बांद्रा कोर्ट में दायर किया था। उसने सुशान्त की बहनों पर आरोप लगाया था कि उन्होंने दिल्ली के किसी डॉक्टर की फर्जी पर्ची के आधार पर अपने भाई को दवाइयां दी थीं। इन दवाओं के सेवन से ही कलाकार की मौत हुई। सुशान्त का पोस्टमार्टम कूपर हॉस्पिटल में किया गया था जिसमें मौत की वजह दम घुटने से बताई गई। एम्स के डॉक्टरों का बोर्ड भी बनाया गया था जिसने अपनी रिपोर्ट सीबीआई को सौंपी थी। रिया का मामला मुफ्त में लड़ने वाले प्रसिद्ध वकील सतीश माने शिन्दे ने सीबीआई की तारीफ करते हुए जो कहा है वह ध्यान देने योग्य है। उन्होंने बयान दिया है कि, सोशल मीडिया और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में झूठी खबरें फैलाई गईं। निर्दोषों को मीडिया और जांच अधिकारियों के सामने परेशान किया गया। उम्मीद है कि यह किसी अन्य मामले में दोहराया नहीं जाएगा। रिया को अनगिनत दुखों से गुजरना पड़ा और बिना गलती के 27 दिनों तक सलाखों के पीछे रहना पड़ा, जब तक कि मुंबई हाईकोर्ट ने उन्हें जमानत पर रिहा नहीं किया। उन्होंने रिया तथा उनकी टीम को मिलने वाली धमकियों का जिक्र भी किया तथा रिया के परिवार की तारीफ की कि उन्होंने चुप रहकर भी अपने साथ हुए अमानवीय व्यवहार को सहन किया। उन्होंने न्यायपालिका का जिक्र करते हुए कहा–यह देश अभी भी बहुत सुरक्षित है। न्याय की मांग करने वाले हर नागरिक को हमारी जीवंत न्यायपालिका से उम्मीद है। रिया जैसी उभरती हुई कलाकार के खिलाफ जिस प्रकार से देश भर में विषाक्त माहौल बनाया गया, उससे उसे कई महीनों तक सतत अपमान और प्रताड़ना झेलनी पड़ी थी। उसके खिलाफ मनगढ़ंत आरोप सोशल मीडिया पर तैरते रहे। कथित मुख्यधारा के मीडिया ने भी एक बेकसूर महिला को न सिर्फ सरेआम अपमानित किया वरन उसके जीवन के सबसे खूबसूरत वर्षों को बर्बाद कर उसका कैरियर ही तबाह कर दिया। ऐसे हर उस मीडिया संस्थान और व्यक्ति को रिया से क्षमायाचना करना चाहिये। वे उस युवती के अपराधी हैं जो अपनी आंखों में ऊंचे ख्वाब लेकर मनोरंजन की दुनिया में कुछ करने आई थी। हालांकि ऐसी नैतिकता व साहस न तो इन टीवी चौनलों में शेष है, न ही उन लोगों में जो विवेकशून्य होकर किसी राष्ट्रीय सनसनी का उपकरण बन जाते हैं। सुशान्त सिंह का मामला बताता है कि मीडिया ट्रायल का असर और अंजाम किसी व्यक्ति के लिये कितना बुरा हो सकता है। इससे देश को बचना चाहिये क्योंकि यह खतरनाक प्रवृत्ति है जिसमें दोषी बचते हैं और निर्दोष पिसे जाते हैं। यदि सीबीआई की क्लोजर रिपोर्ट को न्यायालय स्वीकार करती है तो उससे यह उम्मीद भी रहेगी कि वह मीडिया ट्रायल करने वालों की खबर ले।

# जलते नोट मोदी की छवि भी धुआं-धुआं कर सकते हैं!

**शकील अख्तर**

देश की न्यायपालिका को अब अपनी इज्जत बचाना मुश्किल पड़ रही है। सुप्रीम कोर्ट ने उसी कोशिश में खुद दिल्ली हाईकोर्ट के जज यशवंत वर्मा के घर के जलते हुए नोटों का वीडियो जारी किया। कोशिश है कि सब नहीं पूरा ज्यूडीशरी सिस्टम नहीं इक्का–दुक्का हैं और हम खुद उन्हें छोड़ेंगे नहीं। अच्छा वैरी गुड! तो सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में जज यशंवत वर्मा को बुला लीजिए! सारे दाग धुल जाएंगे। बर्खास्तगी की प्रक्रिया लंबी है। जटिल है। वह संसद के द्वारा होने दीजिए। हालांकि वहां भी मुश्किल है। सत्ता पक्ष क्यों साथ देगा। मोदी सरकार ने बचाने की पूरी कोशिश की। फायर ब्रिगेड जो हमेशा विवादों से दूर रही। केवल सराहना की ही पात्र रही। आग से लड़कर लोगों को बचाने वाली बहादुरी और साहस का प्रतीक। उससे झूठ कहलवा दिया कि हमने कोई नोट नहीं देखे। सुप्रीम कोर्ट द्वारा जारी वीडियो में फायर ब्रिगेड के कर्मी हतप्रभ, नोटों को बचाते हटाते दिख रहे हैं। अपनी छवि बचाने के लिए सबकी छवि दांव पर लगा दी। देश की भी। पहले यह बोलकर कि न कोई आया है न कोई है कहकर। चीन के बचाव में। हमारे बहादुर सैनिकों की शहादत को झुठलाकर। फिर अभी अमेरिका द्वारा भारतीयों को एक के बाद एक तीन जहाज में वह भी सैनिक जहाज में हथकड़ी–बेड़ियों के साथ वापस भेजने के शर्मनाक मामले में चुप रहकर। फिर एक के बाद वीडियो जारी करके भारत को खरी–खोटी सुनाने। ट्रंप के सामने मोदी के मौन बैठे रहने के वीडियो ने। यह कहना कि भारत को एक्सपोज कर दिया (डरा दिया) तो उसने टेरिफ (सीधा मतलब कि भारत से जो भी सामान अमेरिका जाएगा वह वहां सस्ते रेटों पर देना होगा) कम कर दिया। भारत की एक डरी हुई छवि! चीन के सामने अमेरिका के सामने। मगर उसकी कोई चिन्ता नहीं। अपनी व्यक्तिगत छवि चमकाने के लिए। शेरों से मिलने पहुंच गए। बीच में शीशा। इस पार मोदी जी उस पार शेर। मीडिया और भक्त लहालोट हो गए। हमारा शेर शेरों के बीच। फिर शावक को बोतल से दूध पिलाते हुए। फिर भक्तों को पता नहीं क्या याद आया पन्ना धाय कि उस जैसा मातृत्व या फिर कोई बहादुरी का प्रतीक! लोगों को मजबूरी में नेहरू और इन्दिरा के वह फोटो डालना पड़े जिसमें वे शेरों के साथ खेल रहे हैं। हमने लिखा मजबूरी में। क्योंकि यह कोई स्वाभाविक बहादुरी का प्रतीक नहीं है। वीरता होती है अमेरिका को सामने–सामने सुनाने की। उसका हाथ पाकिस्तान की पीठ पर और इन्दिरा पाकिस्तान के दो टुकड़े करते हुए। उससे पहले जब विकासशील देश सब अमेरिका की कृपा पाने के लिए उसके साथ खड़े होने की घोषणा करते थे। नेहरू कहते थे नहीं हम किसी के खेमे में नहीं जाएंगे। हम तीसरी दुनिया बनाएंगे। गुट निरपेक्ष। और उन्होंने एक गुट निरपेक्ष आन्दोलन खड़ा कर दिया। मिस्र के नासिर, युगोस्लाविया के टीटो, इंडोनेशिया के सुकर्णो के साथ मिलकर। यूएन के दो तिहाई राष्ट्रों का प्रतिनिधित्व किया। 120 देश साथ थे। वह बहादुरी, साहस, अन्तरराष्ट्रीय ताकत। शेरों के साथ फोटो खिंचाने में क्या है? अभी गुगल पर डालिए हजारों लोगों के फोटो आ जाएंगे। शेरों के साथ। जंगल में। अपने लोगों को इसी तरह बेवकूफ बनाया जा रहा है। और सब तो नहीं मगर भक्त और मीडिया तो बन रहा है। बीजेपी के लोग भी सब नहीं बन रहे। हंसते हैं। मगर डर है तो थोड़ा छुपकर। तो यह जज साहब का मामला भी छवि बचाने का है। भ्रष्टाचार तो खतम हो गया। जो है वह विपक्ष के नेताओं के यहां है। काला धन भी खतम हो गया। जिसका हम प्रचार करते हैं वह भी विपक्ष के नेताओं के यहां मिला कहकर बताते हैं मगर वह मिलता और दिखता नहीं। मीडिया में कह देते हैं कि पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के यहां नोट गिनने की मशीनें पहुंचाई गई हैं। अच्छा कितना करोड़ मिला। नहीं वह केवल कुछ लाख है। खेती किसानी वाले हैं, विधायकी की तनखा है। और कुछ लाख! केवल 35 लाख। मगर प्रचार तंत्र है। विपक्ष के 197 नेताओं के मामले ईडी ने कोर्ट में पेश किए। यह कोर्ट में जाने वाले मामले हैं। छापे कितने विपक्ष के नेताओं के मारे, परेशान कितने लोगों को किया, यह तो बहुत बड़ी संख्या है। मगर जो कोर्ट में गए मामले उनमें से केवल तीन में सजा हुई। डेढ़ परसेंट! और यह माना है खुद मोदी सरकार ने संसद में। तो अपनी छवि बनाने, बचाने का एक तरीका यह है एक कि दूसरे पर आरोप पर आरोप लगाओ। नेहरू–गांधी पर आरोप लगाने से काम नहीं चल रहा तो मुगलों तक पहुंच जाओ। बस अपनी कमीज दूसरों की कमीज से ज्यादा साफ दिखना चाहिए। भक्तों और मीडिया की नजर में। हो या न हो! इसलिए यह जज साहब का लगाया दाग थोड़ा मुश्किल हो गया। पुरानी घटना है। होली की। दबा दी थी। मगर अखबार में खबर छप गई। अखबार को मालूम नहीं था कि इतना बवाल हो जाएगा। जनता जाग जाएगी। नहीं तो नहीं छापता। जाने कितनी खबरें दबा दी गईं। मगर गलती हो गई। और फिर यह हुआ कि इसी दिन राज्यसभा में मामला उठ गया।

## 'राधा'

अत्यंत पावन भारत की नारी
प्रेम में उसके चराचर सृष्टि सारी
जो थी मातृ – पितृ लाडली
पतित पावनी राधिका रानी
संपूर्ण जीवन श्याम सांवरे वारी
स्नेह स्वरूपा वृषभानु दुलारी
श्याम सुंदर प्रेम अनुरागिनी
चंचल नयन मधुसूदन बावली
देख पवित्र कंचन श्री रूप
कामदेव की रति थी हारी
ईर्ष्या करती सखियां सारी
थी वो मनमोहन को प्यारी
हंसती गाती रोती थी
सुध बुध अपनी भूली थी
मुरलीधर उसके रोम–रोम में
वास उसका गोपाल हृदय में
लोक लाज त्यागी वह अबला
कृष्ण प्रेम में पूर्ण वह सबला
पिय विरह में दुःखी कुमारी
सुख दुःख खो बैठी बेचारी
गोविन्द दर्शन लालसा बलवती
युद्ध महाभारत का समाप्त जब
मिला संदेशा प्रियवर का तब
कुरुक्षेत्र प्रत्यागमन उसका
बोलें, देख, हरि! राधा से
प्रिये! हम तुम एक ही हैं
तो फिर कैसा क्लेष है ?
राधा कृष्ण , कृष्णमय राधा
फिर काहे का है बाधा ?
तुमको है वरदान हमारा
आगे राधा पीछे श्याम
तब पूर्ण हो घनश्याम
राधा बिन श्याम अधूरे
राधे राधे जो नर पुकारे
नष्ट हो दुःख उसके सारे
सकल ब्रह्माण्ड यही जानें
राधा बिन कोई कृष्ण न पाये
प्रेम की सरल परिभाषा
राधा जीवन लीला सादा !

विश्वर्जीत चौबे
सिधारी हाइडिल, आजमगढ़, उत्तर प्रदेश

# 30 दिन के युद्ध विराम की योजना को बचाने के लिए ट्रम्प का पुतिन पर दबाव

**अंजन रॉय**

यूक्रेन युद्ध पर संयुक्त राष्ट्र में उत्तर कोरिया, ईरान और रूस के साथ अमेरिका के वोट सहित रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को उनके सर्वोत्तम प्रयासों और मिली रियायतों के बावजूद, पुतिन ने अमेरिकी राष्ट्रपति को एक बड़ा धोखा दिया है। रूसी राष्ट्रपति ने डोनाल्ड ट्रम्प के 30 दिनों के लिए तत्काल युद्ध विराम के प्रस्ताव को स्पष्ट रूप से ठुकरा दिया है, जिसे यूक्रेन ने पहले ही डोनाल्ड ट्रम्प के समक्ष स्वीकार कर लिया था। अब यह स्पष्ट हो गया है कि पुतिन युद्ध को रोकने के ट्रम्प के प्रयासों के हिस्से के रूप में प्रस्तावों का पालन करने के मूड में नहीं हैं। हालांकि अमेरिका ट्रम्प के अहंकारी दावे से प्रभावित है कि सत्ता में आने के बाद वे 24 घंटे के भीतर युद्ध को समाप्त कर देंगे, लेकिन अब अमेरिकियों को एहसास हो गया है कि रूसी राष्ट्रपति ने उन्हें क्या धोखा दिया है। अब उन्हें बस इतना करना है कि वे कुछ अतिरिक्त दबाव के साथ आगे बढ़ें और उन्हें बातचीत की मेज पर लाएं। डोनाल्ड ट्रम्प ने वायदा किया था कि अगर रूस और पुतिन युद्ध समाप्त करने के लिए बातचीत करने से इनकार करते हैं तो वे उन पर कड़े प्रतिबंध लगा देंगे। इनमें दो अलग–अलग तरह की कार्रवाइयां शामिल हैं। पहली कार्रवाई के रूप में रूसी अर्थव्यवस्था को आत्मसमर्पण करने के लिए मजबूर करने हेतु आर्थिक प्रतिबंध ा लगाना होगा। रूस पहले से ही अब तक लगाये गये प्रतिबंधों से गंभीर तनाव में है, जैसे बैंकिंग लेनदेन पर प्रतिबंध और रूस के प्रमुख निर्यात में मुक्त व्यापार पर प्रतिबंध लगाना। इन प्रतिबंधों ने रूस के सबसे महत्वपूर्ण निर्यात, ऊर्जा उत्पादों की बिक्री को कम कर दिया है। प्रतिबंधों ने रूसी कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस की कीमतों को कम कर दिया है। इनका उठाव भी प्रभावित हुआ है क्योंकि कुछ प्रमुख खरीदार अब रूसी तेल और गैस से दूर हो गये हैं। दूसरे, अमेरिकियों ने यूक्रेन के युद्ध प्रयासों के लिए सबसे

महत्वपूर्ण इनपुट को रोकने की कोशिश की थी, अर्थात, खुफिया फीडबैक जो अमेरिकी खुफिया इनपुट के उपयोग से रूसी सैन्य प्रतिष्ठानों पर यूक्रेन के हमलों के लिए सबसे महत्वपूर्ण थे। अमेरिकियों ने डोनाल्ड ट्रम्प के साथ उनके ओवल ऑफिस में जेलेंस्की की विनाशकारी बैठक के बाद यूक्रेन को खुफिया इनपुट से काट दिया था। लेकिन रूसी अड़ियल रवैये के साथ अमेरिकियों ने खुफिया जानकारी की आपूर्ति बढ़ा दी है। इस बहाली का एक परिणाम रूसी क्षेत्र में 500 किलोमीटर अंदर एक एयरबेस पर यूक्रेन के साहसी हमले में देखा जा सकता है। रूस ने एंगेल्स शहर के इस हवाई अड्डे पर अपने परमाणु सक्षम हमलावर बमवर्षक विमानों को रखा है। एंगेल्स एयरबेस पर रूसी टुपोलेव परमाणु हथियार सक्षम विमान हैं। इस एयरबेस का मुख्य रनवे अनुपयोगी हो गया है क्योंकि पूरे क्षेत्र में भीषण आग लग गई थी अब इन घटनाक्रमों के साथ अमेरिकी रणनीतिक और सुरक्षा विशेषज्ञों के लिए यह स्पष्ट है कि रूसियों ने डोनाल्ड ट्रम्प के त्वरित युद्धविराम और फिर शांति समझौते के प्रयास को छोड़ दिया है। लेकिन यह विफलता राष्ट्रपति को व्यक्तिगत रूप से प्रभावित करती है और उनकी छवि को नुकसान पहुंचाती है। सार्वजनिक रूप से स्पष्ट अपमान को देखते हुए, पूरा प्रशासन शांति समझौते की दिशा में प्रगति का दिखावा करने के लिए कमर कस रहा है। पुतिन को बातचीत की मेज पर लाने में अपनी विफलता को स्वीकार करने के बजाय, ट्रम्प एक बेहतरीन वार्ताकार और सौदा करने वाले के रूप में अपनी छवि को पेश करने और बनाये रखने की कोशिश कर रहे हैं। एक प्रसिद्ध रणनीतिक विशेषज्ञ ने बताया है कि पुतिन दक्षिणी यूरोपीय रंगमंच में सोवियत संघ के रणनीतिक नियंत्रण को फिर से हासिल करने के लिए बहुत लंबी अवधि का खेल खेल रहे हैं। सोवियत संघ के दिनों में, रूस अपने बंदी तालाब के रूप में काला सागर को नियंत्रित करता था। अब सोवियत संघ के टूटने के बाद, उसने काला सागर और उसके आस–पास के क्षेत्रों को खो दिया है। रोमानिया और बुल्गेरिया पश्चिमी क्षेत्र में चले गये हैं और तुर्की पहले से ही नाटो का प्रमुख सदस्य बना हुआ है। इसलिए, रूस काला सागर तट पर अपने नये पैर जमाने की कोशिश कर रहा है। पुतिन अपने दीर्घकालिक सुरक्षा दृष्टिकोण पर खेल रहे हैं जिसमें काला सागर एक महत्वपूर्ण खेल का मैदान है। पुतिन यूक्रेन के प्रमुख व्यापारिक केंद्र ओडेसा बंदरगाह सहित ब्लैक सी पर नियंत्रण करना चाहते हैं। इसलिए, पुतिन यूक्रेन के साथ अपने युद्ध को आगे बढ़ाने और ब्लैक सी तट के साथ क्षेत्रों पर कब्जा करने के लिए तैयार हैं। ऐसा लगता है कि जब तक इनमें से कुछ दीर्घकालिक इच्छाएं पूरी नहीं हो जातीं, तब तक पुतिन यूक्रेन युद्ध को नहीं रोकेंगे। अमेरिकी कूटनीतिक और रणनीतिक समुदाय अब इन दीर्घकालिक कारकों को देख रहे हैं और इसलिए वे युद्ध को रोकने के लिए रूस पर अधिकतम दबाव की वकालत कर रहे हैं।

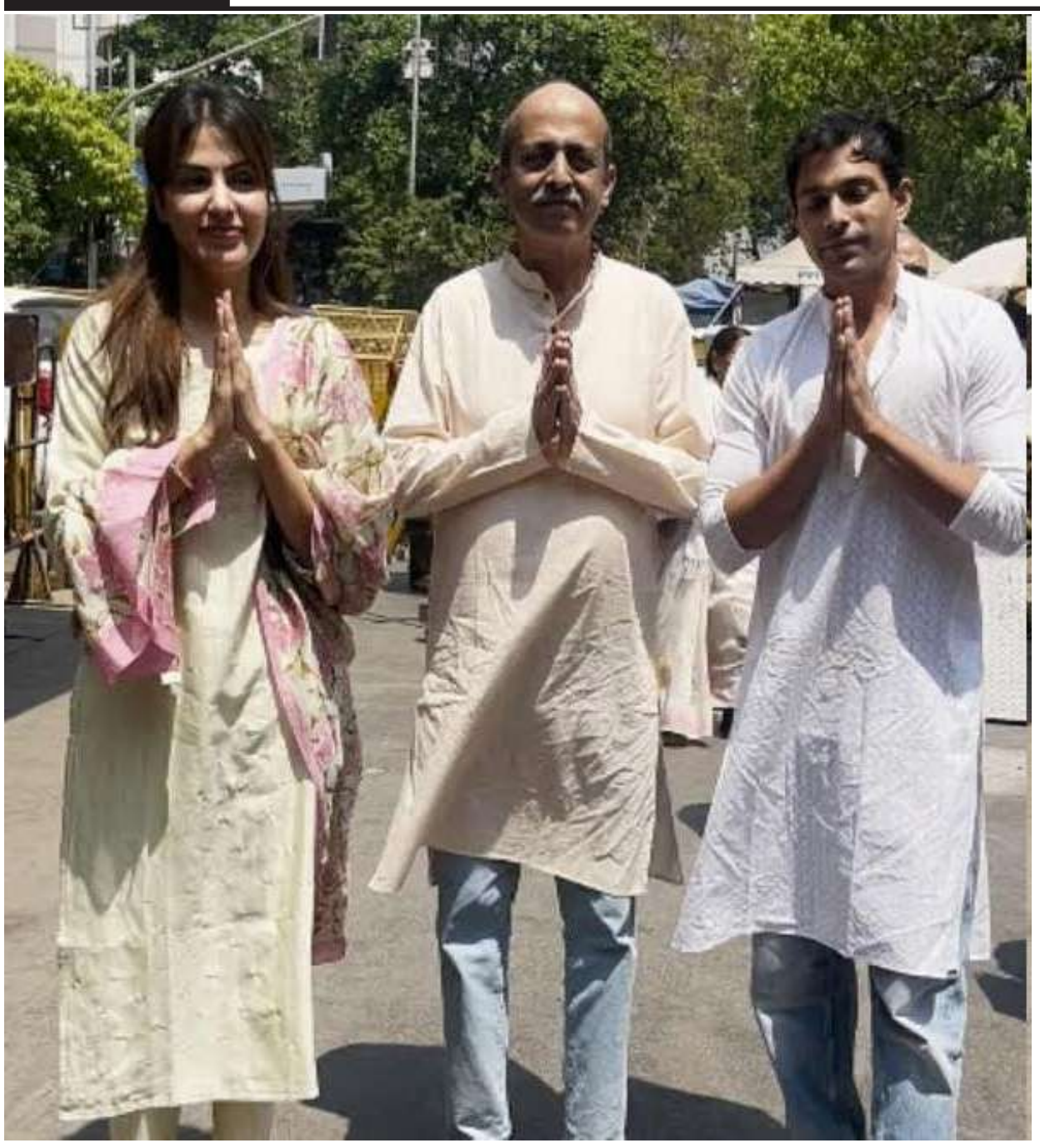

# सुशांत केस में क्लीन चिट मिलने के बाद पिता और भाई संग सिद्धिविनायक मंदिर पहुंची रिया, चेहरे पर दिखी एक अलग ही खुशी

सुशांत सिंह के मामले में क्लीन चिट मिलने के बाद रिया चक्रवर्ती काफी खुश हैं। वह अपने पिता और भाई शोविक के साथ सिद्धिविनायक मंदिर माथा टेकने पहुंची। मंदिर के बाहर आते समय उन्होंने भाई और पापा के साथ हाथ जोड़कर मीडिया के सामने पोज दिए।

सुशांत सिंह राजपूत के सुसाइड मामले में ब्ढ ने 22 मार्च 2025 को अपनी फाइनल रिपोर्ट दाखिल कराई, जिसमें पुष्टि गई कि सुशांत की मौत आत्महत्या का मामला था और इसमें कोई आपराधिक साजिश नहीं थी। इसके साथ ही इस केस की आरोपी रिया चक्रवर्ती को भी क्लीन चिट दे दी गई। वहीं, अब इस मामले में कानूनी राहत मिलने के बाद रिया हाल ही में मुंबई के प्रसिद्ध सिद्धिविनायक मंदिर पहुंची, जहां से उनकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर सामने आई हैं। सामने आई तस्वीरों में देखा जा सकता है कि सुशांत सिंह के मामले में क्लीन चिट मिलने के बाद रिया चक्रवर्ती काफी खुश हैं। वह अपने पिता और भाई शोविक के साथ सिद्धिविनायक मंदिर माथा टेकने पहुंची। मंदिर के बाहर आते समय उन्होंने भाई और पापा के साथ हाथ जोड़कर मीडिया के सामने पोज दिए। इस दौरान रिया हरे और गुलाबी रंग के फ्लोरल आउटफिट में नजर आईं, जबकि उनके भाई शोविक और पिता कुर्ता और जींस पहने दिखे। बता दें, 14 जून, 2020 को सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद रिया चक्रवर्ती को काफी मुश्किल दौर से गुजरना पड़ा। दिवंगत एक्टर के परिवार ने उन पर धोखाधड़ी, जबरन वसूली और मानसिक प्रताड़ना जैसे कई गंभीर आरोप लगाए। इसके अलावा, नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) द्वारा ड्रग्स खरीदने और सेवन कराने के आरोपों में उन्हें गिरफ्तार भी किया गया था और करीब एक महीने तक जेल में रहना पड़ा था। रिया चक्रवर्ती को इस मामले में सिर्फ कानूनी लड़ाई ही नहीं, बल्कि मीडिया ट्रायल का भी सामना करना पड़ा। टेलीविजन चौनलों पर लगातार बहसें और सोशल मीडिया पर उनके खिलाफ नकारात्मक अभियानों ने उन्हें मानसिक और भावनात्मक रूप से काफी प्रभावित किया। मीडिया में उन्हें इस मामले का मुख्य विलेन बताया जाने लगा, जिससे उन्हें जनता की भारी आलोचना का सामना करना पड़ा। वहीं, अब सीबीआई की रिपोर्ट आने के बाद बॉलीवुड सेलेब्रिटीज ने भी रिया के प्रति समर्थन जताया है। एक्ट्रेस दीया मिर्जा, पूजा भट्ट और अर्जित तनेजा जैसी हस्तियों ने मीडिया से सवाल किए हैं कि आखिरकार बिना सबूत के रिया के खिलाफ जो अभियान चलाया गया, उसका जिम्मेदार कौन है? हालांकि, क्लीन चिट मिलने के बाद अभी तक रिया चक्रवर्ती का कोई बयान सामने नहीं आया है।

## जैकलीन फर्नांडीज की मां आईसीयू में हुई भर्ती, अस्पताल पहुंची एक्ट्रेस

बॉलीवुड एक्ट्रेस जैकलीन फर्नांडीज की मां किम फर्नांडीज की तबीयत खराब हो गई है और उन्हें मुंबई के लीलावती अस्पताल और रिसर्च सेंटर में आईसीयू में भर्ती किया गया है। अभी तक उनकी सेहत के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं मिली है। हालांकि, यह खबर सामने आई है कि जब जैकलीन को अपनी मां की तबीयत के बारे में पता चला, तो वह तुरंत अपने परिवार के पास चली गईं। बता दें कि, इससे पहले जैकलिन की मां 2022 में बिमार हुई थी। एक वीडियो सामने आया है जिसमें जैकलिन का परिवार अस्पताल पहुंचा हैं। इस बारे में जानकारी सोशल मीडिया द्वारा दी गई। एक पोस्ट में बताया कि जैकलीन की मां को आईसीयू में भर्ती किया गया है। पोस्ट में कहा गया, जैकलीन की मां के आईसीयू में भर्ती होने की खबर सुनकर दिल टूट गया है। परिवार हमेशा पहले आता है, और यह समझ आता है कि जैकलीन को परिवार के पास लौटना पड़ा। हम उनकी मां की जल्दी सेहतमंद होने और इस मुश्किल समय में परिवार को ताकत देने की कामना करते हैं। जैसे ही यह खबर सामने आई, फैंस भी जैकलीन की मां की सेहत को लेकर चिंतित हो गए। एक यूजर ने पोस्ट पर कमेंट करते हुए लिखा, भगवान करें वो जल्दी स्वस्थ हो जाएं। दूसरे यूजर ने लिखा, भगवान उन्हें जल्दी ठीक करे और अच्छे स्वास्थ्य का आशीर्वाद दे। फैंस लगातार उनकी मां की जल्दी ठीक होने की कामना कर रहे हैं। बता दें कि फिलहाल जैकलीन फर्नांडीज की ओर से उनकी मां की सेहत को लेकर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

## ऑस्कर में भारतीय फिल्मों की अनदेखी पर फूटा दीपिका का गुस्सा, बोलीं-`हमारे साथ बार-बार नाइंसाफी'

भारतीय सिनेमा को वैश्विक मंच पर एक अलग पहचान दिलाने वाली बॉलीवुड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण इन दिनों काफी चर्चा में हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने ऑस्कर अवॉर्ड्स में भारतीय फिल्मों की अनदेखी पर अपनी प्रतिक्रिया दी। इंस्टाग्राम पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में दीपिका इस प्रतिष्ठित पुरस्कार समारोह के आयोजन पर सवाल उठाती दिखीं। दीपिका पादुकोण ने स्वीकार किया कि भारत की ओर से ऑस्कर के लिए भेजी गई फिल्म 'लापता लेडीज' इस साल अवॉर्ड जीतने में नाकाम रही। इस मुद्दे पर एक्ट्रेस ने अपनी चिंता जाहिर करते हुए कहा कि यह पहली बार नहीं है जब किसी बेहतरीन भारतीय फिल्म को ऑस्कर की दौड़ से बाहर कर दिया गया हो। उन्होंने कहा कि भारतीय टैलेंट और इंडियन सिनेमा को लंबे समय से वैश्विक मंच पर वह पहचान नहीं मिल रही है, जिसके वे हकदार हैं। इंस्टाग्राम पर शेयर किए एक वीडियो में दीपिका ने बताया कि जब 2023 के ऑस्कर अवॉर्ड्स में 'आरआरआर' के गाने 'नाटू नाटू' ने जीत दर्ज की थी, तो यह उनके लिए किसी व्यक्तिगत जीत से कम नहीं था। उन्होंने कहा, ष्भारत को कई बार ऑस्कर से वंचित किया गया है। एक नहीं, बल्कि कई योग्य फिल्मों को नजरअंदाज किया गया है। चाहे वो फिल्में हों या टैलेंट, भारतीय सिनेमा के साथ कई बार अन्याय हुआ है। लेकिन मुझे याद है जब मैं ऑडियंस में बैठी थी और उन्होंने 'आरआरआर' का नाम घोषित किया, तो मैं भावुक हो गई थी।दीपिका ने यह भी कहा कि भारतीय होने के अलावा उनका इस फिल्म से कोई व्यक्तिगत संबंध नहीं था, फिर भी वह जीत उनके लिए बेहद खास थी।दीपिका पादुकोण ने ऑस्कर 2025 की एक और महत्वपूर्ण जीत पर अपनी खुशी जाहिर की। उन्होंने बताया कि इस साल की एक जीत जिसने उन्हें बहुत प्रभावित किया, वह थी एड्रियन ब्रॉडी की 'द ब्रूटलिस्ट' के लिए बेस्ट एक्टर अवॉर्ड।

## क्या सलमान खान की कथित गर्लफ्रेंड यूलिया वंतूर ने सिकंदर में श्लग जा गलेश गाया? यहाँ जानें क्या है सच्चाई

सलमान खान की सिकंदर फिल्म इस समय सबसे ज्यादा सुर्खियां बटौर रही हैं। सलमान खान और रश्मिका मंदाना अभिनीत सिकंदर का बहुप्रतीक्षित ट्रेलर 23 मार्च को मुंबई में एक भव्य कार्यक्रम में रिलीज़ किया गया – और यह वह सब कुछ है जिसकी प्रशंसकों को उम्मीद थी। हाई–ऑक्टेन एक्शन, सामूहिक क्षणों और शक्तिशाली संवादों से भरपूर, ट्रेलर एक अप्रत्याशित मोड़ के साथ समाप्त होता है जिसने सभी का ध्यान खींचा। एक बेहतरीन पल में रश्मिका ने सलमान खान के गहन फाइट सीक्वेंस के साथ कालातीत क्लासिक लग जा गले गाया। जबकि कई लोगों ने माना कि रश्मिका ने ट्रैक को अपनी आवाज़ दी है, बॉलीवुड हंगामा को पता चला है कि वास्तव में इसे यूलिया वंतूर ने गाया है। सलमान खान की फिल्मों में एक जानी–पहचानी आवाज़ यूलिया ने पहले राधे (2021) में सीटी मार और जूम जूम जैसे हिट गाने गाए हैं, साथ ही रेस 3 (2018) में सेल्फिश और पार्टी चले ऑन भी गाए हैं। दिलचस्प बात यह है कि यह पहली बार नहीं है जब यूलिया ने किसी क्लासिक गाने को फिर से बनाया है। 2023 में, उन्होंने नमक हलाल से रात बाकी का गायन किया, जिसे मूल रूप से आशा भोसले ने गाया था। अब, उन्होंने प्रतिष्ठित लग जा गले को अपनी आवाज़ दी है, जिसे पहली बार लता मंगेशकर ने वो कौन थी (1964) में गाया था। ट्रेलर लॉन्च के मौके पर, सलमान खान ने खुद रश्मिका के लग जा गले सीक्वेंस की तारीफ़ की और इसे ट्रेलर का अपना पसंदीदा हिस्सा बताया। उन्होंने कुछ लाइनें गुनगुनाईं और मीडिया को भी शामिल होने के लिए कहा, जिससे ऑनलाइन एक वायरल मोमेंट बन गया। इस कार्यक्रम में उनके साथ रश्मिका मंदाना, काजल अग्रवाल, शरमन जोशी, सत्यराज, अंजिनी धवन, निर्माता साजिद नाडियाडवाला और निर्देशक ए.आर. मुरुगादॉस शामिल हुए।संगीत से परे, ट्रेलर में सलमान द्वारा सिकंदर के कच्चे और शक्तिशाली चित्रण को उजागर किया गया है – एक ऐसा किरदार जो बदला, न्याय और प्रेम से प्रेरित है।

## देश छोड़ के वो जाए किसको धमकी दे रहे.. कुणाल कामरा विवाद पर शिवसेना पर ही भड़कीं जया बच्चन, अभिजीत गांगुली बोले-संसद भी तोड़ देंगे क्या

कॉमेडियन कुणाल कामरा इस समय मुश्किलों में हैं। उनका एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें वह स्टैंडअप कॉमेडी करते हुए महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे को श्गद्दारश कहते सुनाई दे रहे हैं। इसे लेकर अब हंगामा मच गया है. शिवसेना कार्यकर्ताओं ने उस जगह पर जाकर तोड़फोड़ की है जहां पर कुणाल का ये वीडियो शूट हुआ था। वहीं कई लोग कॉमेडियन को देश से निकाले जाने की भी मांग कर रहे हैं। वहीं कुछ शिवसेना कार्यकर्ताओं द्वारा की गई इस हरकत को गलत ठह रहे हैं। इस लिस्ट में बॉलीवुड की दिग्गज एक्ट्रेस जया बच्चन का नाम भी शामिल है। कुणाल कामरा को देश से निकाले जाने की मांग करने को लेकर एक्ट्रेस और सांसद जया बच्चन भड़क गई हैं। जया ने शिवसेना के सरकार चलाने के तरीके पर सवाल उठाए हैं और उन्हें धोखा देने वाला कहा है।जया ने कहा–अरे बाबा वो लोग भी तो करते ही है ना। वो लोग नहीं करते हैं क्या दूसरों के बारे में, इंडिविजुअल्स के बारे में, पार्टीज के बारे में, वो भी करते हैं जो फ्रीडम ऑफ स्पीच की बात कही जो अपनी पार्टी के साथ नहीं रह सके, जिन्होंने धोखा, जिन्होंने, अपनी रियल पार्टी को छोड़ दी।उनसे आप और क्या उम्मीद कर सकते हैं। देश छोड़ के वो जाए किसको धमकी दे रहे हैं ये लोग। क्या इस तरह से आप सरकार चलाएंगे।मेरा मतलब आप शारीरिक शक्ति का इस्तेमाल करेंगे।

# स्किन को बेदाग निखार देने के लिए घर पर बनाए ये उबटन, चांद सा चमकेगा चेहरा

जब भी हम सभी को किसी पार्टी या फंक्शन में जाने के लिए इंस्टेंट ग्लो चाहिए होता है। इंस्टेंट ग्लो पाने के लिए अक्सर हम मार्केट में मिलने वाली चीजों का इस्तेमाल करते हैं या फिर पार्लर में जाकर ट्रीटमेंट लेते हैं। लेकिन इससे भी फेस पर ग्लो नहीं आता है। ऐसे में आप इंस्टेंट ग्लो पाने के लिए आप घर पर रखी चीजों से उबटन बनाकर इस्तेमाल कर सकती हैं। इस उबटन के इस्तेमाल से फेस पर ग्लो आ सकता है। साथ ही इससे आपको ज्यादा पैसे खर्च करने की भी जरूरत नहीं पड़ेगी। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि आप किस तरह के उबटन को लगा सकते हैं।

बेसन और गुलाब जल उबटन

फेस पर बेसन और गुलाब जल के उबटन का इस्तेमाल कर सकते हैं। इस उबटन को बनाना काफी आसान है। साथ ही इससे चेहरा भी साफ लगेगा। अक्सर हम घर में इस उबटन का इस्तेमाल कर सकते हैं। घर में हम सभी इसी उबटन का इस्तेमाल करते हैं। वहीं शादी में भी दुल्हन के चेहरे पर भी हल्दी की जगह उबटन लगाया जाता है।

ऐसे बनाएं उबटन

इस उबटन को बनाने के लिए एक कटोरी में 1 चम्मच बेसन लेना है।

अब इसमें थोड़ा सा गुलाब जल मिक्स करें।

फिर थोड़ा सा एलोवेरा जेल मिक्स करें।

इस उबटन को चेहरे पर 15 मिनट के लिए अप्लाई करें।

अब पानी से चेहरा धो लें।

इससे चेहरा साफ लगेगा और रंग भी साफ हो जाएगा।

पपीता और दूध उबटन

बहुत सारे लोग चेहरे पर फ्रूट फेशियल या फेस पैक लगाना पसंद करते हैं। क्योंकि इसमें किसी तरह का कोई केमिकल नहीं होता है और आप चाहें तो इसका इस्तेमाल कर सकती हैं। इससे आपका चेहरा साफ सुथरा रहेगा।

इस तरह करें इस्तेमाल

सबसे पहले आधा पका हुआ पपीता लेना है।

फिर इसको कटोरी में अच्छे से मैश करें और इसमें 1 चम्मच दूध और शहद डालें।

अब इसको फेस पर 10 से 15 मिनट के लिए फेस पर अप्लाई करें।

इसके बाद फेस वॉश कर लें।

इसको अप्लाई करने से त्वचा हाइड्रेट रहेगी और चेहरे की चमक भी बरकरार रहेगी।

बता दें कि इन उबटन के इस्तेमाल से स्किन इंस्टेंट ग्लो करती है और यह आपकी स्किन को नेचुरल निखारने में भी मदद करेंगे। आप सप्ताह में 2–3 बार इस उबटन का इस्तेमाल कर सकते हैं।

# कहीं आप अधिक सोकर तो नहीं कर रहे गलती, मर्द से ज्यादा महिलाओं को है लंबी नींद की जरूरत

नींद शरीर के लिए बेहद जरूरी है क्योंकि यह शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बनाए रखने में मदद करती है। पर्याप्त नींद से इम्यून सिस्टम मजबूत होता है, मस्तिष्क को आराम मिलता है और शरीर की मरम्मत होती है। कई शोधों के अनुसार, महिलाओं को पुरुषों की तुलना में अधिक नींद की जरूरत होती है।

कहा जाता है कि महिलाओं का मस्तिष्क पुरुषों की तुलना में अधिक जटिल होता है और यह मल्टीटास्किंग में अधिक सक्रिय रहता है। इसलिए उनके दिमाग को ज्यादा आराम और रिकवरी की जरूरत होती है। चलिए जानते हैं किसे कितनी नींद की होती है जरूरत।

उम्र के हिसाब से नींद की जरूरत

आयु के अनुसार नींद का औसत समय

| उम्र | नींद की जरूरत (प्रति दिन) |
|---|---|
| नवजात शिशु (0–3 महीने) | 14–17 घंटे |
| शिशु (4–11 महीने) | 12–16 घंटे |
| छोटे बच्चे (1–2 वर्ष) | 11–14 घंटे |
| प्रीस्कूल (3–5 वर्ष) | 10–13 घंटे |
| स्कूली बच्चे (6–13 वर्ष) | 9–11 घंटे |
| किशोर (14–17 वर्ष) | 8–10 घंटे |
| युवा वयस्क (18–25 वर्ष) | 7–9 घंटे |
| वयस्क (26–64 वर्ष) | 7–9 घंटे |
| वरिष्ठ नागरिक (65 वर्ष) | 7–8 घंटे |

बच्चों और किशोरों को अधिक नींद की आवश्यकता होती है क्योंकि उनके शरीर का विकास हो रहा होता है। वयस्कों और वरिष्ठ नागरिकों को औसतन 7–8 घंटे की नींद लेना जरूरी है।

महिलाओं को पुरुषों से अधिक नींद क्यों चाहिए?

ब्रिटेन की लैफबोरो यूनिवर्सिटी में हुई एक रिसर्च के अनुसार महिलाओं को पुरुषों की तुलना में औसतन 20–30 मिनट अधिक नींद की जरूरत होती है। महिलाओं का दिमाग अधिक मल्टीटास्किंग करता है, जिससे उनका मस्तिष्क ज्यादा थकता है और उसे अधिक आराम की जरूरत होती है। महिलाएं अक्सर एक साथ कई काम करती हैं (घर का काम, ऑफिस, बच्चों की देखभाल), जिससे उनका मस्तिष्क अधिक थकता है। इसके अलावा माहवारी, गर्भावस्था और मेनोपॉज के दौरान हार्मोन में उतार–चढ़ाव के चलते भी उन्हें उन्हें अधिक नींद की जरूरत होती है।

पर्याप्त नींद क्यों है जरूरी?

– रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है।
– दिल और ब्लड प्रेशर स्वस्थ रहता है।
– वजन को नियंत्रित रखने में मदद मिलती है।
– मांसपेशियों और ऊतकों की मरम्मत होती है।
– याददाश्त और एकाग्रता बेहतर होती है।
– मानसिक तनाव और अवसाद की संभावना कम होती है।
– मूड बेहतर रहता है।
– पर्याप्त नींद से त्वचा स्वस्थ और चमकदार रहती है।
– आंखों के नीचे काले घेरे नहीं होते।
– शरीर में कोलेजन का उत्पादन बेहतर होता है, जिससे एंटी–एजिंग प्रभाव मिलता है।

पर्याप्त नींद नहीं लेने के नुकसान

मस्तिष्क की कार्यक्षमता घटती है: निर्णय लेने में कठिनाई होती है।

वजन बढ़ता है: नींद की कमी से हार्मोन असंतुलित होते हैं, जिससे मोटापा बढ़ सकता है।

इम्यूनिटी कमजोर होती है: संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है।

दिल की बीमारियों का खतरा: उच्च रक्तचाप और स्ट्रोक की संभावना बढ़ती है।

डायबिटीज का खतरा: नींद की कमी से इंसुलिन रेजिस्टेंस बढ़ सकता है।

बेहतर नींद के लिए टिप्स

अच्छी नींद के लिए आपको नियमित दिनचर्या और स्वस्थ आदतें अपनानी चाहिए। सोने और जागने का समय फिक्स करेंजैसे–रोजाना एक ही समय पर सोने और जागने की आदत डालें। छुट्टियों में भी नींद का समय न बदलें। सोने से 2–3 घंटे पहले भारी भोजन न करें।सोने से पहले चाय, कॉफी या सिगरेट न लें, इससे नींद में बाधा होती है। सोने से कम से कम 30 मिनट पहले मोबाइल, लैपटॉप और टीवी बंद कर दें, स्क्रीन की नीली रोशनी मेलाटोनिन हार्मोन को बाधित करती है, जिससे नींद प्रभावित होती है।

# रोज खाएं ये 3 चीजें और चश्मे को अलविदा कहें, नजर हो जाएगी तेज

हमारे शरीर का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा हमारी आंखें होती हैं, क्योंकि हमें इस दुनिया को देखने के लिए हमारी आंखों की जरूरत होती है। आंखों की रोशनी को बनाए रखना और उसे तेज रखना बहुत जरूरी है। अगर आपको चश्मा लग चुका है या फिर आपकी आंखों की रोशनी कम हो गई है, तो आप अपनी डाइट में कुछ खास चीजों को शामिल करके अपनी आंखों की सेहत को बेहतर बना सकते हैं। आज हम आपको बताने जा रहे हैं कि कौन सी तीन चीजें खाने से आपकी आंखों की रोशनी तेज हो सकती है।

अंडे

अंडे आंखों के लिए एक बेहतरीन आहार हैं। अंडे में विटामिन ए, जिंक और ल्यूटिन जैसे पोषक तत्व होते हैं, जो आंखों की सेहत को बनाए रखने में मदद करते हैं। विटामिन ए आंखों की रोशनी को तेज करता है और रतौंधी को भी रोकता है। ल्यूटिन और जिंक आंखों को नुकसान पहुंचाने वाले तत्वों से बचाने में मदद करते हैं। रोज एक अंडा खाने से आपकी आंखों की रोशनी में सुधार हो सकता है। आप अंडे को उबाल कर, सैंडविच में, ऑमलेट के रूप में या फिर किसी भी तरीके से खा सकते हैं।

हरे पत्तेदार सब्जियां

हरी पत्तेदार सब्जियां, जैसे पालक, बथुआ, मेथी और सरसों के पत्ते, आंखों के लिए बहुत फायदेमंद होती हैं। इनमें विटामिन ए, विटामिन सी और ल्यूटिन जैसे तत्व होते हैं, जो आंखों के स्वास्थ्य को बनाए रखने में मदद करते हैं। इन सब्जियों में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स आंखों की रोशनी को बढ़ाने और उम्र के साथ होने वाले आंखों के रोगों को कम करने में सहायक होते हैं।आप इन सब्जियों को सूप, पराठे, सलाद या किसी भी पकवान में डालकर खा सकते हैं।

बीन्स और फलियां

बीन्स और फलियां जैसे मूंग, चना, राजमा और मसूर दाल भी आंखों के लिए फायदेमंद हैं। इनमें जिंक, प्रोटीन, और फाइबर भरपूर मात्रा में होते हैं। जिंक आंखों में स्थित रेटिना को स्वस्थ रखने में मदद करता है, जिससे आपकी दृष्टि और तेज होती है। इसके अलावा, बीन्स और फलियां शरीर को अंदर से पोषण देती हैं, जिससे आपकी आंखों की सेहत भी बेहतर रहती है। बीन्स और फलियों को आप दाल, चना चाट, सलाद या फिर सूप के रूप में खा सकते हैं।

टिप्स

पानी पिएं: आंखों की सेहत के लिए शरीर में पानी की कमी नहीं होनी चाहिए। रोजाना पर्याप्त पानी पीने से आंखों में नमी बनी रहती है और वो सूखी नहीं होतीं।

आंखों को आराम दें: लंबे समय तक कंप्यूटर या मोबाइल पर काम करने से आंखों में थकावट आ सकती है। इसलिए आंखों को हर 20 मिनट बाद थोड़ी देर का आराम दें।अगर आप इन 3 चीजों को अपनी डाइट में शामिल करेंगे तो आपकी आंखों की रोशनी तेज हो सकती है। इसके अलावा, जीवनशैली में थोड़े बदलाव और स्वस्थ आहार को अपनाकर आप अपनी आंखों की सेहत को बनाए रख सकते हैं। डिस्कलेमर: यह लेख सामान्य जानकारी के लिए है। आंखों की समस्याओं के लिए विशेषज्ञ से सलाह लेना महत्वपूर्ण है।

# चेहरे की खूबसूरती कहीं बिगड़ ना दे मुल्तानी मिट्टी, इन चीजों को कभी भी ना मिलाएं

मुल्तानी मिट्टी जिसे फुलर अर्थ के नाम से भी जाना जाता है, यह एक प्राकृतिक मिट्टी है जिसका इस्तेमाल त्वचा की देखभाल में व्यापक रूप से किया जाता है क्योंकि इसमें तेल सोखने, सफाई करने और ठंडक देने के बेहतरीन गुण होते हैं।

मैग्नीशियम, सिलिका और कैल्शियम जैसे खनिजों से भरपूर होते हैं, जो सदियों से आयुर्वेदिक और पारंपरिक सौंदर्य उपचारों में एक मुख्य तत्व बन गया है। आज भी घरों में लोग मुल्तानी मिट्टी का फेस पैक जरुर लगाते हैं। मुल्तानी मिट्टी से प्रयोग हम सभी करते हैं, लेकिन कई बार मुल्तानी मिट्टी में ऐसे इंग्रीडिएंट्स मिला देते हैं, जिससे स्किन खराब हो जाती है।

बेकिंग सोडा

कभी भी मुल्तानी मिट्टी का फेस पैक बनाने के लिए उसमें बेकिंग सोडा मिक्स नहीं करना चाहिए। क्योंकि बेकिंग सोडा का पीएच 9 होता है, जो स्किन के लिए अल्कलाइन होता है। इसके प्रयोग से आपकी स्किन बहुत अधिक रूखी व इरिटेड स्किन कर देता है।

नींबू का रस

मुल्तानी मिट्टी फेस पैक बनाते समय नींबू का रस नहीं मिलाना चाहिए। क्योंकि नींबू के रस में पीएच काफी मात्रा में पाया जाता है। जिस कारण से एसिडिक होता है। वहीं, मुल्तानी मिट्टी अल्कलाइन होता है। इसलिए इन दोनों को आपस में ना मिलाएं। वरना आपके चेहरे पर रेडनेस की शिकायत हो सकती है।

चीनी या नमक

जब भी आप घर पर मुल्तानी मिट्टी का स्क्रब बना रहे हैं, तो उसमें चीनी या नमक मिक्स ना करें। यह आपकी स्किन को खराब कर सकती है। आपको रेडनेस और जलन के साथ–साथ प्री–मैच्योर एजिंग की शिकायत हो सकती है।

## संक्षिप्त

### सैमसंग के सीईओ हान जोंग-ही का निधन, हार्ट अटैक ने ली जान

सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स के को सीईओ हान जोंग ही का निधन हो गया है। हान जोंग ही को 25 मार्च 2025 को दिल का दौरा पड़ा, जिसके बाद उनका निधन हो गया। उनकी उम्र 63 वर्ष थी। हान जोंग ही पहले से ही इलाज करवाने के लिए अस्पताल में भर्ती थे उसी दौरान दिल का दौरा पड़ा। साउथ कोरियाई टेक दिग्गज सैमसंग ने इसकी पुष्टि की है।

कंपनी में रहा अहम योगदान

हान जोंग ही सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स के दो सह मुख्य कार्यकारी अधिकारियों में से एक थे। उन पर उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स और मोबाइल डिवाइस डिवीजन की पूरी जिम्मेदारी थी। उनके अलावा दूसरे को सीईओ जून यंग–ह्यून है। टेलीविजन फिल्ड में सैमसंग को आगे आने का श्रेय हान को ही दिया जाता है।

ऐसे प्रतिद्वंदी को पछाड़ा

उन्होंने अपने क्षेत्र में जापानी प्रतिद्वंद्वी सोनी ग्रुप कॉर्प को पछाड़ा। इसके अलावा, उन्होंने एप्पल जैसे शक्तिशाली प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ अपनी मजबूत स्थिति बनाए रखते हुए सैमसंग के मोबाइल डिवाइस खंड को भी मजबूत किया है। हान को सीईओ होने के साथ ही कंपनी बोर्ड के सदस्य भी ते। उन्हें सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स का वॉइस प्रेजिडेंट और सीईओ पद की जिम्मेदारी वर्ष 2022 में दी गई थी। उन्होंने सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स को तकनीकी नवाचारों और बाजार विस्तार की दिशा में आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। बता दें कि पिछले सप्ताह ही कंपनी के शेयरधारकों की बैठक के दौरान हान ने वर्ष 2025 को एक चुनौतीपूर्ण वर्ष करार दिया था। इस चुनौतीपूर्ण वर्ष में कंपनी के शेयर कमजोर प्रदर्शन कर रहे थे, जिसके लिए उन्होंने कंपनी के शेयरधारकों से माफी मांगी थी। उन्होंने कहा ति की कंपनी विकास की दिशा में आगे बढ़ने के लिए मर्जर और अधिग्रहण पर काम कर रही है, मगर फिर भी वर्ष 2025 चुनौतियों भरा हो सकता है। आने वाले दिनों में हान को सैमसंग के नए होम अप्लायंसेज के लॉन्च इवेंट में शिरकत करनी थी। उनकी दूरदर्शिता और अगुवाई की बदौलत ही सैमसंग उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में वैश्विक स्तर कॉम्पिटिशन में डटा रहा है। बता दें कि वर्ष 1962 में हान का जन्म हुआ था। वो चार दशक से सैंमसंग के साथ जुड़े रहे थे। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत डिस्प्ले डिवीजन के साथ की थी। इसके बाद वो लगातार आगे बढ़ते गए। वर्ष 2023 में वो सैमसंग के को सीईओ बनाए गए। इससे पहले भी कंपनी में कई अहम पदों पर वो सेवाएं दे चुके थे।

### अगले महीने से बेरोकटेक प्याज एक्सपोर्ट कर सकेंगे किसान, अब नहीं देना होगा निर्यात शुल्क

सरकार ने 1 अप्रैल से प्याज पर 20 प्रतिशत निर्यात शुल्क वापस ले लिया है। यह कदम रसोई में इस्तेमाल होने वाली इस खाद्य सामग्री पर प्रतिबंध लगाए जाने के करीब डेढ़ साल बाद उठाया गया है। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, उपभोक्ता मामलों के विभाग से सूचना मिलने के बाद राजस्व विभाग ने एक अधिसूचना जारी की। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने कहा, ष्यह निर्णय किसानों को लाभकारी मूल्य सुनिश्चित करने और उपभोक्ताओं के लिए प्याज की सामर्थ्य बनाए रखने की सरकार की प्रतिबद्धता का एक और प्रमाण है।

निर्यात शुल्क कब लगाया गया?

निर्यात शुल्क 13 सितंबर, 2024 से लागू है।

सरकार निर्यात शुल्क क्यों लगाती है?

सरकार स्थिर घरेलू आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए निर्यात शुल्क और इसी तरह के उपाय लगाती है। घरेलू उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए, सरकार ने सितंबर 2024 में 20 प्रतिशत शुल्क लगाने से पहले 8 दिसंबर, 2023 से 3 मई, 2024 तक निर्यात निषेध सहित विभिन्न निर्यात प्रतिबंध लागू किए थे।

निर्यात शुल्क ग्राहकों को कैसे प्रभावित करता है?

जब किसी भी सब्जी पर आयात शुल्क लगाया जाता है, तो वह आसानी से उपलब्ध हो जाएगी। इस प्रकार, यह उस विशेष सब्जी को और अधिक किफायती बना देगा।

इस कदम से किसानों पर क्या प्रभाव पड़ेगा?

सरकार द्वारा निर्यात शुल्क वापस लेने से किसानों द्वारा कड़ी मेहनत से उगाए गए प्याज वैश्विक बाजारों तक पहुँचेंगे, और उन्हें बेहतर और लाभकारी मूल्य मिल सकेगा। यह उल्लेख करना महत्वपूर्ण है कि निर्यात प्रतिबंधों के बावजूद, चालू वित्त वर्ष के 18 मार्च तक कुल प्याज निर्यात 1.17 मिलियन टन तक पहुंच गया।

### प्राथमिकता क्षेत्र के 50 हजार तक के ऋण पर अधिक शुल्क न वसूलें बैंक, आरबीआई ने जारी किए दिशा-निर्देश

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने साफ किया है कि बैंक विशेष रूप से प्राथमिकता क्षेत्र ऋण (पीएसएल) श्रेणी के तहत छोटी ऋण राशियों पर अत्यधिक शुल्क नहीं लगा सकते हैं। केंद्रीय बैंक ने कहा कि 50,000 रुपये तक के प्राथमिकता क्षेत्र के ऋणों पर कोई सेवा शुल्क या निरीक्षण शुल्क नहीं लगाया जाएगा। बैंक के इस कदम का मकसद छोटे उधारकर्ताओं को अनावश्यक वित्तीय बोझ से बचाना और उचित ऋण प्रथाओं को सुनिश्चित करना है। भारतीय रिजर्व बैंक (त्ठप्) ने प्राथमिकता क्षेत्र ऋण पर जारी नए मास्टर निर्देश में यह बात कही है। ये निर्देश 1 अप्रैल, 2025 से लागू होंगे। इन दिशा–निर्देशों में केंद्रीय बैंक ने यह भी स्पष्ट किया है कि बैंकों की ओर से गैर–बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (छठथ्ब्) से खरीदे गए सोने के आभूषणों के बदले लिए गए ऋणों को प्राथमिकता क्षेत्र ऋण श्रेणी के अंतर्गत नहीं माना जाएगा। इसका मतलब है कि बैंक ऐसे ऋणों को अपने पीएसएल लक्ष्यों के हिस्से के रूप में वर्गीकृत नहीं कर सकते। इस कदम का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि प्राथमिकता क्षेत्र के फंड उन क्षेत्रों की ओर निर्देशित हों जिन्हें वास्तव में वित्तीय सहायता की आवश्यकता है, जैसे कि छोटे व्यवसाय, कृषि और समाज के के कमजोर वर्ग।

# नए कप्तान के साथ विजयी शुरुआत करने उतरेगी पंजाब, सामने होगी गुजरात की चुनौती

अहमदाबाद, एजेंसी। पंजाब किंग्स आईपीएल 2025 में अपने अभियान की शुरुआत गुजरात टाइटंस के खिलाफ करेगी। इन दोनों ही टीमों का प्रदर्शन पिछले सीजन अच्छा नहीं रहा था। गुजरात 2022 सीजन की विजेता रही है, लेकिन पंजाब फ्रेंचाइजी ने कभी भी आईपीएल का खिताब नहीं जीता है। पंजाब इस बार नए कप्तान के साथ उतरेगी और उसकी कोशिश विजयी शुरुआत करने की होगी।

श्रेयस को बनाया था कप्तान

पंजाब ने श्रेयस अय्यर को टीम का कप्तान बनाया था जिनके नेतृत्व में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने पिछले सीजन खिताब अपने नाम किया था। इस बार श्रेयस के सामने पंजाब को विजेता बनाने की चुनौती होगी। श्रेयस आईपीएल में सफल कप्तानों में गिने जाते हैं। उन्होंने केकेआर को खिताब दिलाने से पहले 2020 सीजन में दिल्ली कैपिटल्स को अपनी कप्तानी में फाइनल में पहुंचाया था, लेकिन टीम उस वक्त विजेता नहीं बन सकी थी। अब उनका लक्ष्य पंजाब का आईपीएल खिताब जीतने का 18 साल लंबा इंतजार खत्म करना होगा।

पंजाब को पहले खिताब की तलाश

पंजाब उन फ्रेंचाइजी में शामिल है जो करीब आकर भी ट्रॉफी नहीं जीत सकी है। पंजाब आईपीएल 2018 के सेमीफाइनल में पहुंचा था, जबकि उसने 2014 में फाइनल में जगह बनाई थी। उस वक्त फाइनल में केकेआर ने उसे हराया था, लेकिन पिछले चार वर्षों में पंजाब की टीम शीर्ष पांच में भी जगह नहीं बना सकी है। किंग्स इलेवन पंजाब से पंजाब किंग्स बनने के बावजूद इस टीम को अब भी अपने पहले आईपीएल खिताब का इंतजार है।

पिछली गलतियों से गुजरात को लेनी होगी सीख

दूसरी तरफ, भारतीय वनडे टीम के उपकप्तान शुभमन गिल के लिए गुजरात के कप्तान के तौर पर पिछला सीजन अच्छा नहीं रह था और टीम अंक तालिका में आठवें स्थान पर रही थी। गुजरात ने 2022 में हार्दिक पांड्या की कप्तानी में खिताब जीता था और 2023 में उपविजेता रही थी। लेकिन पिछले गुजरात ने अपना कप्तान बदला और गिल को जिम्मेदारी सौंपी।

ईशान किशन ने दिखाया दमरू ठब्ब् की नाराजगी झेली, अनुबंध से भी बाहर हुए; पटना में अभ्यास कर वापसी को बनाया यादगार

गिल–अय्यर में होगी जंग

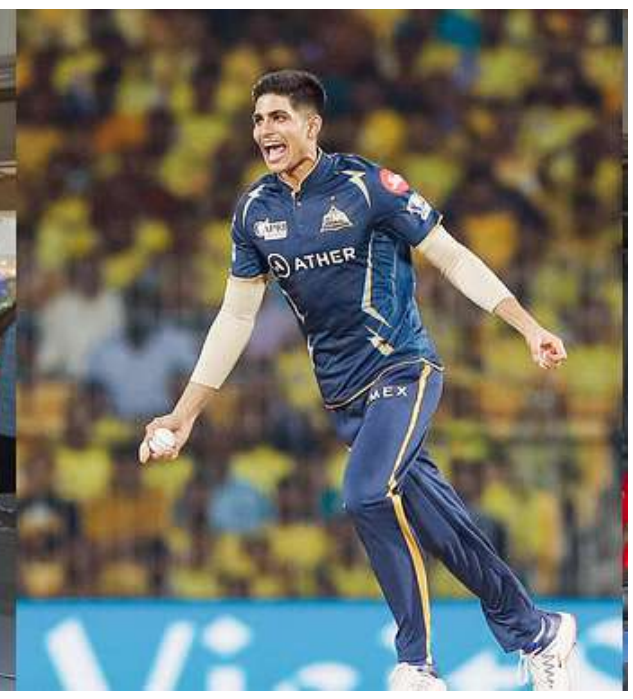

इस मैच में गिल और अय्यर के बीच जंग देखने मिलेगी जो हाल ही में चौंपियंस ट्रॉफी के लिए भारतीय टीम का हिस्सा थे। दोनों ही बल्लेबाज शानदार फॉर्म में चल रहे हैं। अय्यर ने जहां भारत की तरफ से टूर्नामेंट में सर्वाधिक 243 रन बनाए, वहीं गिल ने बांग्लादेश के खिलाफ पहले मैच में शतक ठोका था और आगे भी उन्होंने महत्वपूर्ण योगदान दिया। अब दोनों खिलाड़ी एक दूसरे के खिलाफ होंगे।

गिल–बटलर करेंगे शुरुआत

गुजरात के पास गिल और इंग्लैंड के जोस बटलर के रूप में आदर्श सलामी जोड़ी है। मध्यक्रम की कमान वेस्टइंडीज के शेरफेन रदरफोर्ड, साई सुदर्शन और मसूद शाहरुख खान के हाथों में होगी, जबकि ऑलराउंडर राशिद खान, राहुल तेवतिया, ग्लेन फिलिप्स, वाशिंगटन सुंदर और महिपाल लोमरोर से योगदान की उम्मीद है। गेंदबाजी में मोहम्मद सिराज अपना प्रभाव छोड़ना चाहेंगे। तेज गेंदबाजी विभाग में उनके साथ देने के लिए कैगिसो रबाडा, प्रसिद्ध कृष्णा, दक्षिण अफ्रीका के गेराल्ड कोएत्जे और अनुभवी इशांत शर्मा जैसे अच्छे गेंदबाज शामिल हैं। गुजरात के स्पिन विभाग की जिम्मेदारी फिर से राशिद खान निभाएंगे।

श्रेयस–मैक्सवेल पर रहेगी जिम्मेदारी

पंजाब की बल्लेबाजी की बात करें तो उसकी बल्लेबाजी मुख्य रूप से कप्तान अय्यर, जोश इंग्लिस, प्रभसिमरन सिंह, मार्कस स्टोइनिस और ग्लेन मैक्सवेल पर निर्भर रहेगी। पंजाब की टीम में अजमतुल्लाह उमरजई, स्टोइनिस, मार्को जानसेन, शशांक सिंह और मुशीर खान जैसे ऑलराउंडर हैं। पंजाब के तेज गेंदबाजी विभाग का नेतृत्व अर्शदीप सिंह करेंगे। उनके अलावा पंजाब के तेज गेंदबाजी विभाग में लॉकी फर्ग्यूसन, कुलदीप सेन और यश ठाकुर शामिल हैं, जबकि लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल और बाएं हाथ के स्पिनर हरप्रीत बरार स्पिन विभाग की जिम्मेदारी संभालेंगे।

इस मुकाबले के लिए दोनों टीमों की संभावित प्लेइंग–11 इस प्रकार है...

गुजरात टाइटंसः शुभमन गिल (कप्तान), जोस बटलर (विकेटकीपर), साई सुदर्शन, ग्लेन फिलिप्स, राहुल तेवतिया, वाशिंगटन सुंदर, राशिद खान, मोहम्मद सिराज, साई किशोर, कैगिसो रबाडा, प्रसिद्ध कृष्णा।

# चोटिल खिलाड़ियों की वापसी तक विकल्पों से ही काम चलाना होगा, लखनऊ की हार के बाद कोच क्लूसनर का बयान

विशाखापत्तनम, एजेंसी। आईपीएल 2025 में सोमवार को लखनऊ सुपर जाएंट्स को करीबी मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स से हार का सामना करना पड़ा। एक वक्त लखनऊ का विन प्रेडिक्शन 98 प्रतिशत दिखा रहा था, लेकिन दिल्ली की पारी के आखिरी पांच ओवर में यह गजब पलटा। विन प्रेडिक्शन ऐसा पलटा की आखिरी ओवर में तीन गेंद शेष रहते ही दिल्ली की टीम जीत गई। इस हार के बाद लखनऊ के सहायक कोच लांस क्लूसनर ने कहा कि चोटिल खिलाड़ियों की वापसी से पहले वैकल्पिक खिलाड़ियों से काम चलाने के अलावा उनके पास कोई चारा नहीं है। लखनऊ की टीम को आईपीएल के नए सत्र से पहले ही करारा झटका लगा था। टीम के कम से कम चार तेज बाद गेंदबाज आवेश खान, मयंक यादव, मोहसिन खान और आकाशदीप चोटिल हो गए। ये सभी खिलाड़ी फिलहाल एनसीए में हैं और रिहैब में हैं। वे एनसीए से फिट सर्टिफिकेट मिलने का इंतजार कर रहे हैं। ऐसे में लखनऊ को सोमवार को अन्य गेंदबाजों के साथ खेलना पड़ा। शार्दुल ठाकुर, प्रिंस यादव, दिग्वेश और एम सिद्धार्थ के साथ टीम को उतरना पड़ा। ये गेंदबाज दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ सत्र के अपने पहले मैच में अच्छी शुरुआत करने के बावजूद 209 रन के स्कोर का बचाव नहीं कर पाए। इस मैच में ओस ने भी अपनी भूमिका निभाई। क्लूसनर ने मैच के बाद कहा, अभी हमारे पास गेंदबाजी में बहुत अधिक विकल्प नहीं हैं।

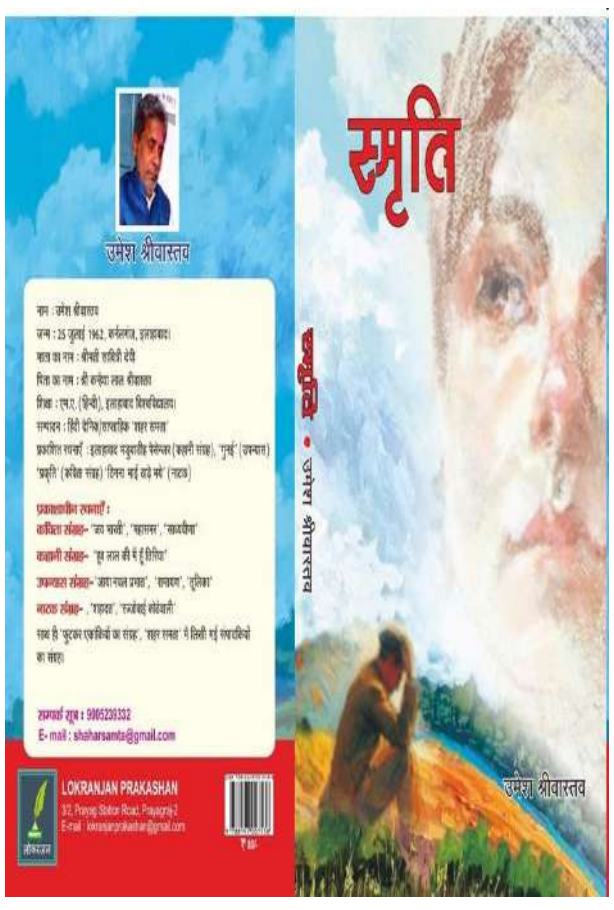


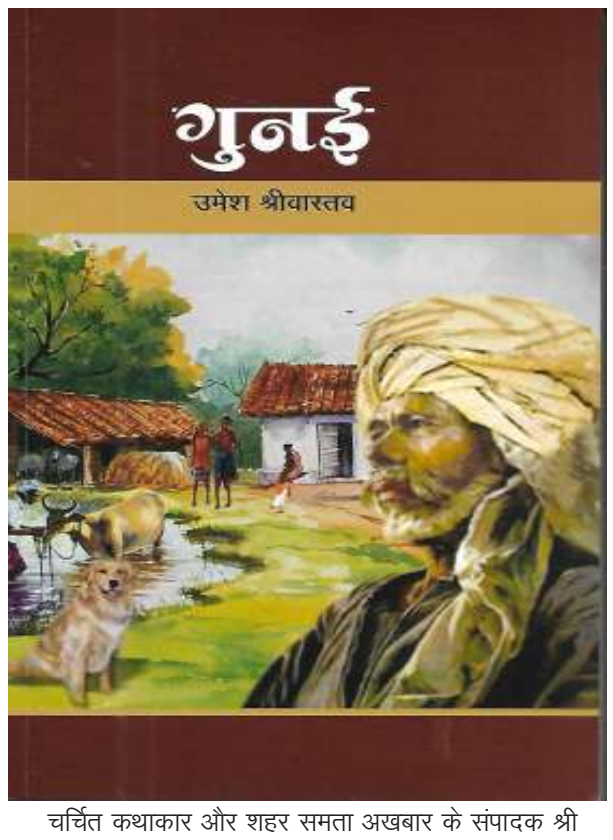


चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

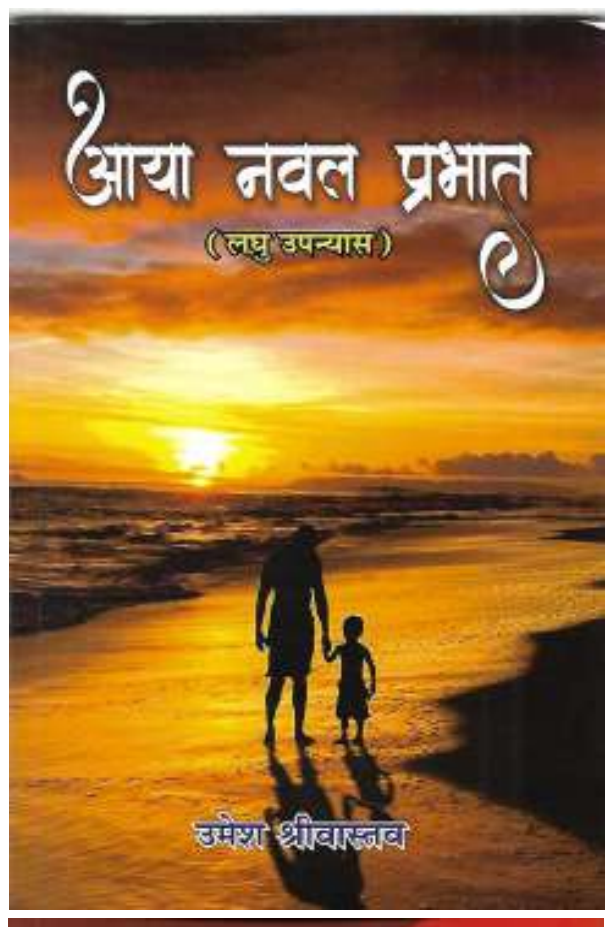


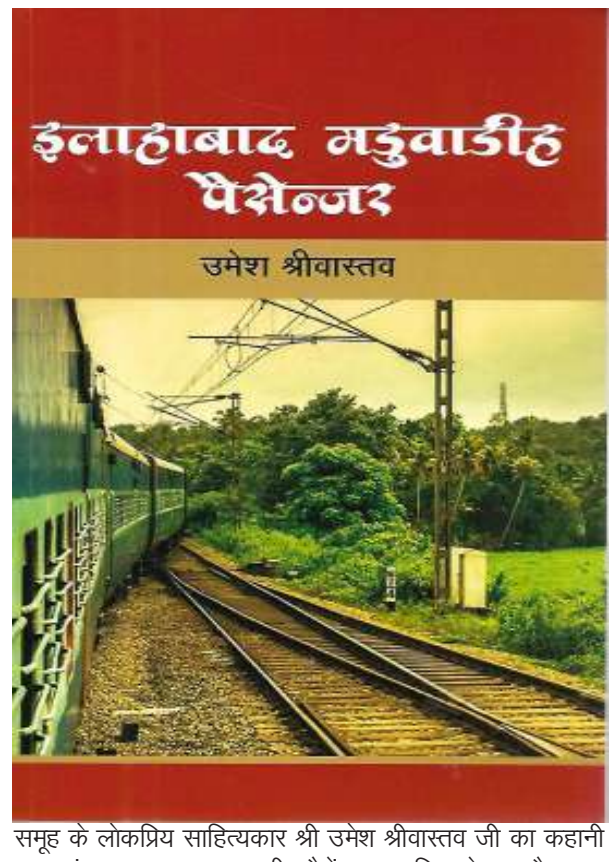


समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

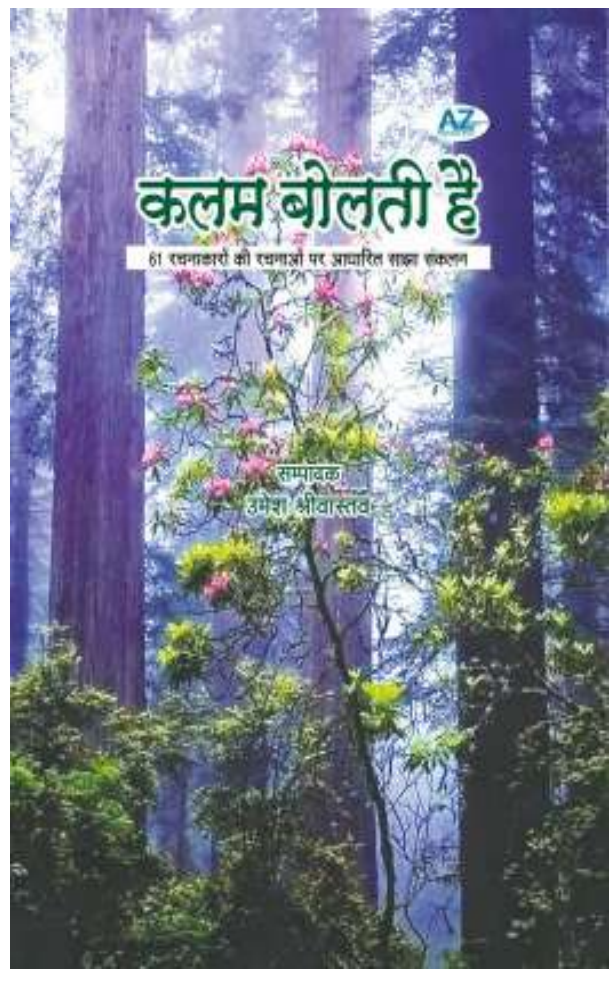


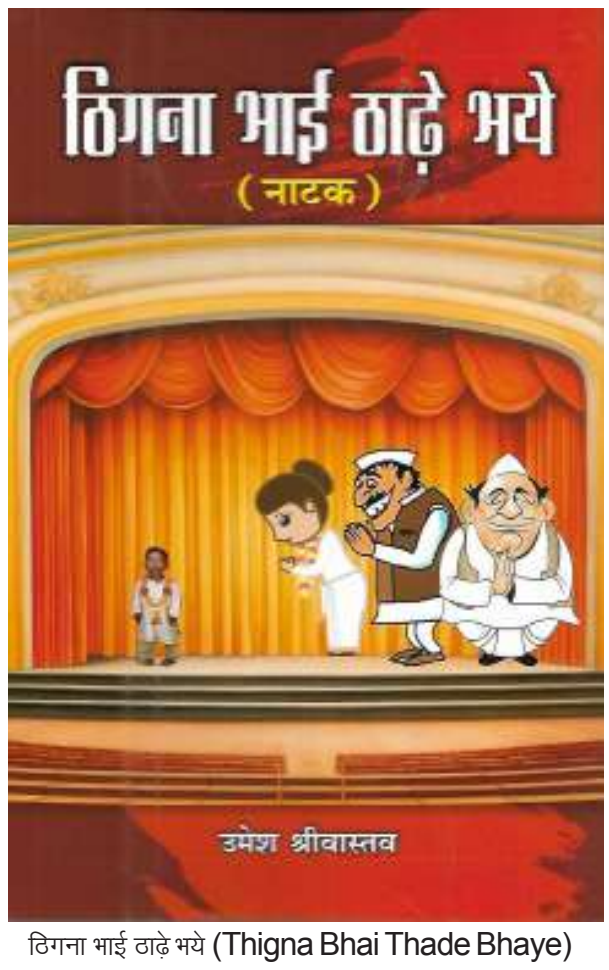


ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

## संक्षिप्त

### पहले चक्रवात, फिर आग! अमेरिका के जंगलों में फिर भड़की आग, लगानी पड़ गई इमरजेंसी

अमेरिका का उत्तरी कैरोलीना जहां जंगल की आग ने तबाही मचा रखी है। अमेरिका का ये राज्य राजधानी वाशिंगटन से करीब 500 किलोमीटर दूर है। तटीय राज्य देश के पूर्वी कोने में पड़ता है। यहां 23 मार्च की दोपहर तीन अलग अलग इलाकों में आग लग गई। इन्हें तीन अलग अलग नाम भी दिए गए हैं। पहली ग्रीन रीवर को फायर ये करीब 1200 एकड़ की जमीन में फैली है। दूसरी डीप वुड फायर से तकरीबन 1700

एकड़ का क्षेत्र जल चुका है। तीसरी फिश हुक फायर इसमें 199 एकड़ का क्षेत्र जल चुका है। मतलब कुल मिलाकर अभी तक 3000 एकड़ से ज्यादा की जमीन आग की चपेट में आ चुकी है। राहत की बात ये है कि इस आग में किसी के जान जाने या घायल होने की खबर नहीं आई है। उत्तरी कैरोलीना इस आग का सामना तब कर रहा है जब वो पहले से ही हेलेन चक्रवात की चपेट में है। चक्रवात हेलेन समुद्र के रास्ते ही उत्तरी कैरोलीना के कोस्ट तक आया था। अब ये शहर आग और चक्रवात दोनों को एक साथ झेल रहा है। गवर्नर जोश स्टीन ने कहा कि संघीय आपातकालीन प्रबंधन एजेंसी ने राज्य को आग से निपटने में मदद करने के लिए अनुदान को मंजूरी दी है। पोल्क काउंटी सरकार ने आपातकाल की स्थिति घोषित कर दी, जब ग्रीन रिवर गॉर्ज में 2,000 एकड़ से अधिक की ब्लैक कोव आग लगी। उत्तरी कैरोलिना कृषि और उपभोक्ता सेवा विभाग ने कहा कि आग पर 0: काबू पा लिया गया है। पोल्क काउंटी आपातकालीन प्रबंधन के अनुसार, क्षेत्र में पाँच सड़कों के निवासियों के लिए नए निकासी आदेश दिए गए थे। ब्लैक कोव फायर के क्षेत्र में एक दर्जन से अधिक सड़कों और सड़कों के निवासियों को खाली करने का आदेश दिया गया था, जिनमें से कुछ निवासियों को वापस लौटने की अनुमति दी गई थी। नए निकासी, ग्रहणशील ईंधन और सप्ताहांत में पानी गिराने वाले विमानों द्वारा आग से जली हुई धरती में जिद्दी गर्मी के बावजूद, अग्निशामकों ने कुछ विश्वास व्यक्त किया कि आग पर काबू पाने में प्रगति हो रही है।

### ब्रिटेन की सरकार ने श्रीलंका के सैन्य कमांडर्स पर लगाया प्रतिबंध, मानवाधिकार उल्लंघन के हैं आरोपी

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन ने मानवाधिकार उल्लंघन का आरोप लगाते हुए श्रीलंकाई सेना के शीर्ष सैन्य कमांडरों सहित चार लोगों पर प्रतिबंध लगाया है। इन सैन्य कमांडर्स पर आरोप है कि साल 2009 में लिट्टे के खिलाफ सैन्य अभियान में इन लोगों ने मानवाधिकारों का गंभीर उल्लंघन किया। ब्रिटेन के विदेश कार्यालय ने सोमवार को एक बयान जारी कर यह जानकारी दी। बयान के अनुसार, जिन सैन्य कमांडर्स पर प्रतिबंध लगाया गया है, उनमें श्रीलंकाई सशस्त्र बलों के पूर्व प्रमुख शैवेंद्र सिल्वा, पूर्व नौसेना कमांडर वसंथा करन्नागोडा और श्रीलंकाई सेना के पूर्व कमांडर जगत जयसूर्या का नाम शामिल है। इनके अलावा लिट्टे के पूर्व उप–नेता विनयमूर्ति मुरलीधरन पर भी प्रतिबंध लगाया गया है। विनयमूर्ति ने लिट्टे से बगावत की थी और बाद में श्रीलंका सरकार में मंत्री बन गए थे। प्रतिबंध के तहत इन चारों लोगों पर ब्रिटेन की यात्रा करने पर प्रतिबंध रहेगा और इनकी ब्रिटेन में स्थित संपत्ति को भी जब्त कर लिया गया है। बयान में कहा गया है कि जिन लोगों पर प्रतिबंध लगाए गए हैं, उन्होंने श्रीलंका के गृहयुद्ध के दौरान मानवाधिकारों का गंभीर उल्लंघन किया। ये लोग न्यायिक हिरासत में हत्या, यातना देने और यौन

हिंसा की घटनाओं में शामिल रहे। ब्रिटेन के विदेश मंत्री डेविड लैमी ने कहा कि प्रतिबंध लगाने का उद्देश्य जवाबदेही तय करना है। उन्होंने कहा कि ब्रिटेन की सरकार श्रीलंका की नई सरकार के साथ मिलकर काम करने के लिए तत्पर है। गौरतलब है कि साल 2020 में अमेरिका भी जनरल सिल्वा पर प्रतिबंध लगा चुका है। साल 2023 में कनाडा की सरकार ने श्रीलंका के दो पूर्व राष्ट्रपतियों महिंदा राजपक्षे और गोटाबाया राजपक्षे पर प्रतिबंध लगाए थे। राजपक्षे भाइयों पर ही लिट्टे के खिलाफ कार्रवाई का नेतृत्व करने का आरोप है। श्रीलंका में लिबरेशन टाइगर्स ऑफ तमिल ईलम (लिट्टे) के नेतृत्व में तमिल लोग अलग देश की मांग कर रहे थे। इसे लेकर लिट्टे ने तीन दशक तक लड़ाई लड़ी, जिसमें 20 हजार से अधिक लोग लापता हुए और इस गृहयुद्ध के दौरान कम से कम एक लाख लोगों की जान गई। 18 मई 2009 को लिट्टे प्रमुख वेलुपिल्लई प्रभाकरन की मौत के साथ ही इस गृहयुद्ध का अंत हो गया।


### आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227


# अब तुम्हारी खैर नहीं...गाजा पर अभी अटैक कर इजरायल ने कर दी बड़ी गलती! ईद से पहले मक्का से आया बड़ा बयान

इजरायल की सेना ने गाजा में हमले तेज कर दिए हैं। वायु सेना जहां आसमान से कहर बरपा रही है। वहीं इजरायल के सैनिक ग्राउंड ऑपरेशन के जरिए दुश्मनों को सबक सिखाने में जुटे हुए हैं। इजरायल के इन्हीं हमलों के बीच हमास के डिप्टी कमांडर एहमत सलमान को भी मार गिराने जाने का दावा किया गया है। गाजा के अस्पताल पर भी इजरायल ने हमला किया है। गाजा में इजरायल ने तबाही का नया ऑपरेशन शुरू कर दिया है। इजरायल की वायु सेना चुन चुनकर हमास के ठिकानों को टारगेट कर रही है। आईडीएफ की ताबड़तोड़ स्ट्राइक का असर गाजा पट्टी में एक बार फिर दिखाई दे रहा है। इजरायल के हमले में अब तक 900 से भी ज्यादा फिलिस्तीनी मारे जा चुके हैं और इसकी निंदा अब पूरी दुनिया कर रही है। इजरायल के ताजा हमले से अरब वर्ल्ड में गुस्से की लहर पैदा हो गई है। गाजा के इन हमलों और उनको विस्थापित करने की

इजराइली मंशा के विरोध में मुस्लिम वर्ल्ड लीग (एमडब्ल्यूएल) ने बयान जारी किया है और इसे अंतरराष्ट्रीय और मानवीय कानूनों का उल्लंघन बताया है।

मुस्लिम वर्ल्ड लीग का कड़ा विरोध

मुस्लिम वर्ल्ड लीग (एमडब्ल्यूएल) ने गाजा पट्टी से फिलिस्तीनियों को विस्थापित करने के उद्देश्य से एक एजेंसी की स्थापना के संबंध में इजरायली कब्जे वाली सरकार की घोषणा की कड़ी निंदा की है, साथ ही पश्चिमी तट में 13 अवैध बस्तियों को वैध बनाने की तैयारी के लिए अलग करने के निर्णय की भी निंदा की है। एक आधिकारिक बयान में शेख डॉ. मोहम्मद बिन अब्दुलकरीम अल–इस्सा, एमडब्ल्यूएल के महासचिव और मुस्लिम विद्वानों के संगठन के अध्यक्ष ने इन कार्रवाइयों की निंदा करते हुए कहा कि ये अंतरराष्ट्रीय और मानवीय कानूनों का बर्बर उल्लंघन है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इस तरह के उपाय जानबूझकर शांतिपूर्ण समाधान की सभी संभावनाओं को कमजोर करते हैं और न्यायपूर्ण और व्यापक शांति प्राप्त करने के प्रयासों में बाधा डालते हैं जो क्षेत्रीय और वैश्विक स्तर पर सुरक्षा और स्थिरता सुनिश्चित करता है।

इजरायली हमलों में 14 लोग मारे गए

गाजा के नागरिक सुरक्षा ने कहा है कि इजरायल के नए हमले के एक सप्ताह बाद, घेरे हुए फिलिस्तीनी क्षेत्र पर इजरायली हमलों में आधी रात से 14 लोग मारे गए हैं। प्रवक्ता महमूद बसल ने एएफपी को बताया कि इजरायली विमानों ने गाजा में 20 से अधिक हमले किए हैं, जिसमें महिलाओं और बच्चों सहित कम से कम 14 लोग मारे गए हैं। उन्होंने कहा कि गाजा शहर के ज़ितुन पड़ोस में सुबह के समय हुए हमले में पांच लोग मारे गए और 12 घायल हो गए, जबकि खान यूनिस के दक्षिणी इलाके में हुए हमले में एक दंपति और उनके तीन बच्चों सहित नौ लोग मारे गए। सेना ने पुष्टि की कि उसने गाजा पर रात भर हमले किए थे, यह निर्दिष्ट करते हुए कि वे आतंकवाद विरोधी अभियानों का हिस्सा थे।

फ़िलिस्तनी फ़िल्म निर्माता को पत्थर फेंकने के आरोप में गिरफ़्तार किया गया

इजरायली सेना का कहना है कि पत्थर फेंकने के आरोप में फिलिस्तीनी फिल्म निर्माता को गिरफ्तार किया गया है। अल जजीरा के अनुसार, इजरायली सेना ने बल्लाल का नाम लिए बिना, मासाफर यट्टा क्षेत्र में तीन फिलिस्तीनियों को गिरफ्तार करने की पुष्टि की है। एक्स पर एक पोस्ट में, इसने कहा कि इसने आतंकवादियों द्वारा इजरायली निवासियों पर पत्थर फेंकने के बाद तनाव को कम करने के लिए सैनिकों को सुस्या गांव में भेजा। लेकिन आतंकवादियों ने सैनिकों और पुलिस पर पत्थर फेंकना शुरू कर दिया, जिसके परिणामस्वरूप तीन फिलिस्तीनी और एक इजरायली को गिरफ्तार कर लिया गया। इससे पहले, इजरायली पत्रकार और नो अदर लैंड के सह–निर्देशक युवल अब्राहम ने कहा कि केकेके जैसे हथियारबंद नकाबपोश निवासियों के एक समूह ने बल्लाल को लिंचिंग कर दिया था और उसके पेट और सिर पर चोटें आई थीं।

# ट्रंप को खुश करने के लिए भारत उठाने जा रहा है बड़ा कदम, 1 अप्रैल से खत्म हो जाएगा यह टैक्स!

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 2 अप्रैल से भारत समेत कई देशों पर रेसिप्रोकल टैरिफ लगाने की चेतावनी दी है। लेकिन उससे पहले भारत सरकार बड़ा कदम उठाने जा रही है। सरकार दोनों देशों के बीच चल रहे व्यापार समझौते के तहत 23 बिलियन डॉलर मूल्य के आधे से अधिक अमेरिकी आयातों पर टैरिफ में कटौती करने के लिए तैयार है। यह वर्षों में सबसे बड़ी टैरिफ कटौतियों में से एक होगी, जिसका उद्देश्य पारस्परिक टैरिफ को रोकना है जो निर्यात को नुकसान पहुंचा सकते हैं। सरकार अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के वैश्विक रिसिप्रोकल टैरिफ के प्रभाव को कम करने की कोशिश कर रही है, जो 2 अप्रैल से प्रभावी होने वाले हैं। भारत सरकार ऑनलाइन विज्ञापन सेवाओं पर लगने वाले 6: की इक्वलाइजेशन

लेवी को हटाने का प्रस्ताव कर रही है। यह लेवी गूगल और मेटा जैसी कंपनियों पर लगती है। इसे आमतौर पर गूगल टैक्स के नाम से जाना जाता है। सरकार इसे 1 अप्रैल से हटाने की सोच रही है। भारत द्वारा किए गए एक आंतरिक विश्लेषण के अनुसार, नए अमेरिकी टैरिफ से अमेरिका को भारत से किए जाने वाले 87: निर्यात पर असर पड़ सकता है, जिसकी कीमत करीब 66 बिलियन डॉलर है। सूत्रों के अनुसार, इस प्रभाव से बचने के लिए, भारत 55: अमेरिकी आयातों पर टैरिफ कम करने के लिए तैयार है, जिन पर वर्तमान में 5: से 30: के बीच कर लगाया जाता है। कुछ टैरिफ में काफी कमी की जा सकती है, जबकि अन्य को पूरी तरह से हटाया जा सकता है। प्रस्ताव पर अभी भी चर्चा चल रही है और भारत सरकार के अधिकारियों ने अभी तक कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया है। अन्य विकल्पों पर विचार किया जा रहा है जिसमें व्यापक टैरिफ कटौती के बजाय विशिष्ट क्षेत्रों के लिए टैरिफ समायोजित करना और कई उद्योगों में टैरिफ कम करने के बजाय चुनिंदा उत्पादों के लिए कटौती पर बातचीत करना शामिल है। दक्षिण और मध्य एशिया के लिए सहायक अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि ब्रेंडन लिंच के नेतृत्व में एक अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल मंगलवार से शुरू होने वाली व्यापार वार्ता के लिए भारत आने वाला है। भारत सरकार अमेरिकी पारस्परिक टैरिफ लागू होने से पहले एक समझौते को अंतिम रूप देने की कोशिश कर रही है। अमेरिका और भारत के बीच व्यापार वार्ता का लंबा इतिहास रहा है। विश्व व्यापार संगठन के आंकड़ों से पता चलता है कि अमेरिका का औसत व्यापार–भारित टैरिफ 2. 2: है, जबकि भारत का 12: है। अमेरिका का भारत के साथ 45. 6 बिलियन डॉलर का व्यापार घाटा है।

### हूती पर अटैक का वार प्लान हो गया लीक, ट्रंप की कोर टीम से हुई भारी चूक

अमेरिका का एक सीक्रेट लीक हो गया है, जिसके बाद देश में हड़कंप मच गया है। रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, एक बड़ी सुरक्षा चूक तब सामने आई है जब एक पत्रकार को गलती से एक निजी सिग्नल चौट में शामिल कर लिया गया, जहां ट्रम्प प्रशासन के शीर्ष अधिकारी यमन के हौथियों को निशाना बनाने वाली संवेदनशील अमेरिकी सैन्य योजनाओं पर चर्चा कर रहे थे। इस बड़ी चूक का विवरण सबसे पहले द अटलांटिक में दिया गया था और व्हाइट हाउस ने इसकी पुष्टि की थी। यह घटना राष्ट्रपति

ट्रम्प द्वारा 15 मार्च को हवाई हमलों को अधिकृत करने के कुछ ही दिन पहले हुई थी। अटलांटिक के प्रधान संपादक जेफरी गोल्डबर्ग ने खुलासा किया कि उन्हें गलती से हूती पीसी स्मॉल ग्रुप नामक ग्रुप में जोड़ दिया गया था, जहां राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार माइक वाल्ट्ज और रक्षा सचिव पीट हेगसेथ सहित उच्च–स्तरीय अमेरिकी अधिकारियों ने ऑपरेशन डिटेल्स पर चर्चा की थी। चर्चा में कथित तौर पर सीक्वेंस ऑफ अटैक, टारगेट का लोकेशन और कौन कौन से वेपन इसमें यूज किए जाएंगे इसकी डिटेल्स थी। गौरतलब है कि बीते दिनों अमेरिकी वायुसेना ने यमन के हूती आतंकियों पर जबर्दस्त हमला किया। ये घटना 15 मार्च को किए गए हमले से कुछ दिनों पहले की बताई जा रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ऑफिस व्हाइट हाउस की ओर से भी इसकी पुष्टि की गई है। इस चौट में कथित तौर पर सीआईए निदेशक जॉन रैटक्लिफ, अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस, राष्ट्रीय खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड और विदेश मंत्री मार्को रुबियो जैसे शीर्ष नेता शामिल थे। कुछ लोगों ने हमले के समय और भू–राजनीतिक प्रभाव को लेकर चर्चा की। जिसमें लाल सागर में व्यवधान के बारे में वेंस ने कथित तौर पर कहा कि मुझे यूरोप को फिर से बचाने से नफरत है।

# जमीन से आसमान, आतंकियों का काम तमाम, कहां चल रहा सबसे बड़ा एनकाउंटर? घिरा `मसूद अजहर'!

जम्मू में जैश के आका मसूद अजहर के पांच मोहरों को घेर लिया गया। इन आतंकियों का काम तमाम होने की वाला है। जंगल के इलाके में सुरक्षाबल तेजी से आतंकियों के लोकेशन के नजदीक पहुंच रहे हैं। जमीन से लेकर आसमान दोनो मोर्चों से ऑपरेशन लॉन्च किया गया है। ड्रोन और चॉपर से सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। जम्मू कश्मीर के डीजी खुद हथियार लेकर आतंकवादियों के खात्मे के मिशन में जुटे हुए हैं। जम्मू–कश्मीर के कठुआ जिले में साल 2025 का सबसे बड़ा एनकाउंटर चल रहा है। सुरक्षाबलों के रडार पर पाकिस्तान के आतंकी संगठन जैश ए मोहम्मद के आका मसूद अजहर के पांच मोहरे हैं। जिनकी घेराबंदी हो चुकी है और दिन रात मुठभेड़ चल रही है। इनका बचना नामुमकिन है। कठुआ के हीरानगर सेक्टर में अंतर्राष्ट्रीय सीमा के पास सान्याल गांव में आतंकवाद विरोधी अभियान दूसरे दिन भी जारी है। सुरक्षा बल इलाके में छिपे आतंकवादियों के भारी हथियारों से लैस समूह की तलाश कर रहे हैं। इलाके में आतंकवादियों की मौजूदगी की खुफिया जानकारी मिलने के बाद जम्मू–कश्मीर पुलिस और सेना तथा अन्य सुरक्षा बलों की संयुक्त टीम ने 23 मार्च को अभियान शुरू किया था। सोमवार शाम को पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) नलिन प्रभात अभियान की व्यक्तिगत रूप से निगरानी करने के लिए मुठभेड़ स्थल पर पहुंचे। उनके साथ पुलिस महानिरीक्षक (जम्मू) भीम सेन टूटी भी थे। सुरक्षा बलों ने एक घने नर्सरी क्षेत्र को सील कर दिया है, जहां तीन से पांच आतंकवादियों के छिपे होने का संदेह है। तलाशी में सहायता के लिए ड्रोन (यूएवी) तैनात किए गए हैं, जिससे हथियारों और आपूर्ति का एक बड़ा जखीरा बरामद हुआ है, जिसमें एम4 कार्बाइन मैगजीन, स्लीपिंग बैग, ट्रैकसूट, खाने के पैकेट और प्लास्टिक की थैलियों में लिपटे अन्य सामान शामिल हैं। इस बीच, जारी गोलीबारी के दौरान सात वर्षीय बच्ची आंचल घायल हो गई। उसे सरकारी मेडिकल कॉलेज (जीएमसी) कठुआ ले जाया गया, जहां उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है। सूत्रों से पता चलता है कि इलाके में चार से पांच आतंकवादियों के घुसपैठ

करने का संदेह है। खेतों में काम कर रहे एक स्थानीय जोड़े ने कथित तौर पर हथियारबंद संदिग्धों को देखा और सुरक्षा बलों को सतर्क किया, जिसके बाद बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान चलाया गया। हाल ही में घुसपैठ की कोशिशों को लेकर सुरक्षा अलर्ट बढ़ाए जाने के बाद यह मुठभेड़ हुई है। हताहतों या गिरफ़्तारियों के बारे में अभी तक पुलिस की ओर से कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

### सरकार के खिलाफ मुकदमे करने वाले वकीलों पर होगी कार्रवाई, ट्रंप ने अटानी जनरल को समीक्षा करने का आदेश दिया

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अटॉर्नी जनरल पाम बॉन्डी को उन वकीलों और कानूनी फर्मों के आचरण की समीक्षा करने का निर्देश दिया, जिन्होंने प्रशासन के खिलाफ़ तुच्छ मुकदमे दायर किए हैं या आव्रजन पहल को रोकने का प्रयास किया है, सीएनएन ने रिपोर्ट किया।

# बांग्लादेश में तख्ता पलट की तैयारी? सेना प्रमुख ने बुलाई आपात बैठक

ढाका। बांग्लादेश में जल्द ही वहां की सेना मोहम्मद यूनुस की सरकार को सत्ता से हटाकर तख्ता पलट करने की तैयारी कर रही है। मीडिया रिपोर्ट्स में यह दावा किया गया है। रिपोर्ट्स में कहा गया है कि बांग्लादेशी सेना के प्रमुख वकर उज जमां ने सोमवार को सेना के शीर्ष अधिकारियों की एक आपात बैठक बुलाई। जिससे संकेत मिल रहे हैं कि अस्थिरता के दौर से गुजर रहे बांग्लादेश में आने वाले दिनों में कुछ बड़ा हो सकता है।

मोहम्मद यूनुस की सरकार से खुश नहीं बांग्लादेश की जनता

इंडिया टुडे ने अपनी रिपोर्ट में उक्त दावा किया है। रिपोर्ट में बताया गया है कि बांग्लादेशी सेना प्रमुख द्वारा बुलाई गई बैठक में पांच लेफ्टिनेंट जनरल, आठ मेजर जनरल, स्वतंत्र ब्रिगेड के कमांडिंग अफसर और सेना मुख्यालय के शीर्ष अधिकारी शामिल हुए। बीते साल अगस्त में शेख हसीना की सरकार को सत्ता से बेदखल कर मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व में बनी अंतरिम सरकार सत्ता संभाल रही है। हालांकि इस पर बांग्लादेश की जनता की विश्वास नहीं बन पा रहा है और बांग्लादेश में अस्थिरता का दौर जारी है।

रिपोर्ट के अनुसार, सेना की आपात बैठक में देश में स्थिरता लाने में सेना की भूमिका पर चर्चा हुई। सूत्रों के अनुसार, सेना या तो राष्ट्रपति पर देश में आपातकाल लागू करने का दबाव बना सकती है या फिर यूनुस सरकार के खिलाफ तख्ता पलट कर खुद सत्ता पर काबिज हो सकती है। सेना अपनी निगरानी में राष्ट्रीय एकता सरकार का गठन करने पर भी विचार कर सकती है।


प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।